सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 240 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 13 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मुख्यमंत्री की पहलः धमधा के सांस्कृतिक महत्व के छह प्राचीन तालाबों का लौटा गौरव

- **विधि विधान से खुदाई कर ताम्रपत्र और काष्ठस्तंभ की हुई स्थापना**
- **छै आगर छै कोरी तरिया के नाम से प्रसिद्ध है धमधा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संस्कृति महत्व के छह प्राचीन तालाबों का गौरव फिर से लौट आया है। धमधा के छह तालाबों की खुदाई की गई ये तालाब वर्तमान में अस्तित्व खो चुके थे। इन पर कब्जा हो चुका था। इन तालाबों के गौरव को फिर से लौटाने की पहल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर की गई। जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा जल संरक्षण के इस मुहिम में आमजनों ने भी भरपूर साथ दिया। विलुप्त होते इन तालाबों की उपयोगिता व सौंदर्य को पुनःस्थापित करने का सराहनीय कार्य की प्रशंसा यहां के ग्रामीणजन कर रहे हैं।

सांस्कृतिक महत्व के धमधा के पुनर्जीवित इन छह तालाबों में विधि-विधान के साथ ताम्रपत्र व काष्ठ स्तंभ की स्थापना भी की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब हमारी संस्कृति और परंपरा को पल्लवित करते हैं। मुख्यमंत्री की पहल पर इन तालाबों के सौंदर्यीकरण और उन्हें सहेजने का कार्य सराहनीय है। धमधा के

अन्य प्राचीन तालाबों के जीर्णोद्धार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सांस्कृतिक महत्व के इन तालाबों को जिला प्रशासन की मदद से पुनर्जीवित करने के अभियान में सबसे पहले तालाबों को पाट कर किए गए कब्जे को हटाया गया। कब्जा हटाने के बाद तालाबों की फिर से खुदाई हुई। खुदाई के काम में स्थानीय लोगों के साथ-साथ गौरवगाथा समिति, हिन्द एथलेटिक्स क्लब, नगर पंचायत, जल संसाधन विभाग के लोगों ने हिस्सा लिया। तालाब बनने के बाद पूरे विधि विधान से सरई लकड़ी का 12 फीट लंबा स्तंभ लगाया गया और शोभायात्रा निकाल कर त्रिमूर्ति महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। इन तालाबों का महत्व दर्शाने के लिए इसमें ताम्रपत्र अंकित किया गया। इस ताम्रपत्र में शासकीय तालाब होने, उसके रकबा, खसरा सहित अन्य ऐतिहासिक बातों का उल्लेख किया गया है।

गौरतलब है किकि दुर्ग जिले का धमधा क्षेत्र छै आगर छै कोरी तरिया (126 तालाब) के लिए ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध था। गुजरते समय के साथ ये जल स्रोत विलुप्त होते चले गए और साथ ही लोगों के द्वारा कब्जा करके इसे पाट दिया गया। जिससे 126 तालाबों ने अपना अस्तित्व खो दिया। धर्मधाम गौरवगाथा समिति ने इन तालाबों पर शोध किया और इनकी पूरी पड़ताल करके 126 तालाबों की सूची बनाई, जिसमें रकबा, खसरा नंबर सहित उनके इतिहास को संजोया और एक किताब छै आगर छै कोरी तरिया अऊ बूढ़वा नरवा का प्रकाशन किया, जिस किताब का विमोचन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा किया गया।

खास - खबर

दुष्कर्म का आरोपी पकड़ाया, तीन माह से था फरार, दोस्त की बहन को ब्लैकमेल कर करता रहा दैहिक शोषण

दुर्ग। मोहन नगर पुलिस ने तीन माह से फरार रेप के आरोपी को पकड़ने में सफलता पाई है। आरोपी अपने ही दोस्त की बहन को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा। करीब दो साल तक आरोपी की ज्यादती बर्दाश्त करने के बाद उसने 16 मार्च 2023 को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। जैसे ही आरोपी को एफआईआर की जानकारी हुई तो मोबाइल बंद कर भाग गया था। तीन माह की फरारी के बाद आखिरकार आरोपी पकड़ाया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2023 को पीड़ित महिला ने थाना मोहन नगर में आकर लिखित शिकायत देते हुए बताया कि तकियापारा निवासी सैय्यद असहर अली द्वारा अगस्त 2020 से मई 2022 तक उससे दुष्कर्म किया। पहली बार उसे घर में अकेले पाकर जबरदस्ती बलात्कार किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद विवाहित महिला से रेप की जानकारी ससुराल में देने की धमकी देकर दो सालों से लगातार शारीरिक शोषण कर रहा था।

बिपरजॉय बरपाएगा कहर, कच्छ में भारी बारिश, 48 घंटों में तट तक पहुंचेगा तूफान

नईदिल्ली (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय जैसे-जैसे नजदीक पहुंच रहा है वैसे-वैसे उग्र होता जार रहा है। चक्रवात के तट से टकराने से पहले कच्छ के कई हिस्सों में तेज बारिश शुरू हो गई है। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय अगले 48 घंटों यानी 15 जून की शाम तक जखऊ बंदरगाह के पास सौराष्ट्र और कच्छ से टकराएगा। गुजरात सरकार चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को लेकर अलर्ट मोड में है। तूफान के खतरे को देखते हुए सौराष्ट्र व कच्छ के कई तटीय इलाकों को खाली कराया जा रहा है। साथ ही पश्चिम रेलवे ने एहतियात के तौर पर 67 ट्रेनों के परिचालन को पूरी तरह से रद्द कर दिया है।

गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ तट पर चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का खतरा बढ़ गया है। बिपरजॉय चक्रवाती तूफान फिलहाल अरब सागर को पार कर रहा है और गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। गुजरात के कांडला में दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों ने निचले इलाकों में लोगों को गांधीधाम में आश्रयों में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया। यहां 6 जहाज बंदरगाह को पहले ही छोड़ चुके हैं और 11 जहाज आज रवाना हो जाएंगे। यहां भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मछली पकड़ने के परमिट पर रोक लगा दी गई है।

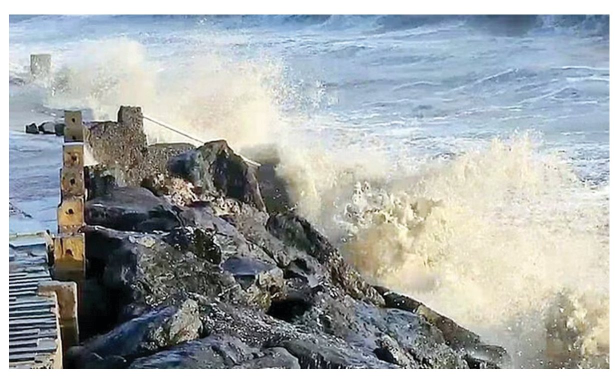

दुर्ग रायपुर से गुजरने वाली यह ट्रेनें प्रभावित

बिपोरजोय चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए पश्चिम रेलवे की दुर्ग रायपुर से गुजरने वाले कुछ ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं। ट्रेन नंबर 12905 पोरबंदर शालीमार एक्सप्रेस 14 जून एवं 15 जून को कैंसिल रहेगी। इसी प्रकार ट्रेन नंबर 12906 शालीमार पोरबंदर एक्सप्रेस दिनांक 16 जून एवं 17 जून को कैंसिल रहेगी। ट्रेन नंबर 22906 शालीमार ओखा एक्सप्रेस दिनांक 13 जून को सुंदरनगर स्टेशन में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। ट्रेन नंबर 22829 भुज शालीमार एक्सप्रेस दिनांक 13 जून को अहमदाबाद स्टेशन से प्रारंभ होगी। ट्रेन नंबर 12940 पोरबंदर संतरागाछी एक्सप्रेस दिनांक 16 जून को अहमदाबाद स्टेशन से प्रारंभ होगी।

बिपरजॉय को लेकर पीएम मोदी की बैठक

चक्रवात की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक कर बिजली, संचार, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी सभी आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने और इन्हें कोई क्षति पहुंचने पर तत्काल बहाल करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पशुओं की भी सुरक्षा सुनिश्चित करने और 24 घंटे चलने वाले नियंत्रण कक्ष स्थापित करने को कहा है।

राहत व बचाव के लिए कई टीमें तैनात

इस बीच राहत व बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की 12 टीमें तैनात कर दी हैं, साथ ही NDRF ने 15 टीमों को आपात स्थिति के लिए तैयार रखा है। अभी तक 7,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। पोरबंदर के 31 गांवों से 3,000 लोगों और देवभूमि द्वारका में 1,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अरब सागर में उठे चक्रवात बिपरजाय के चलते दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गुरुवार और शुक्रवार को हल्की वर्षा हो सकती है।

शाला प्रवेश उत्सव 16 से : स्कूलों में मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री के संदेश का होगा वाचन

'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' पुस्तक में लिखी कहानियों एवं चित्रों पर बच्चे करेंगे चर्चा

शाला प्रवेश उत्सव के शुरूआती 10 दिनों के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए विशेष कार्यक्रम

आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में इस साल शाला प्रवेश उत्सव 16 जून से 15 जुलाई तक मनाया जाएगा। इस दौरान बच्चों के प्रवेश के साथ ही विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा। एक माह तक चलने वाले शाला प्रवेश उत्सव के शुरूआती 10 दिनों के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रथम दिवस सभी स्कूलों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के संदेश का वाचन होगा। जनप्रतिनिधियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत, बच्चों को मिलने वाले विभिन्न सुविधाओं का वितरण किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों द्वारा स्कूल के विकास हेतु शपथ एवं विचार व्यक्त किए जाएंगे। बच्चों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। शाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान और पालकों का स्कूल के बारे में अभिमत और मुख्य अतिथि का उद्बोधन होगा।

शाला प्रवेश उत्सव आयोजन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने सभी जिला कलेक्टर और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शाला प्रवेश उत्सव को जन-जन का अभियान बनाने के लिए व्यक्तिगत रूचि लेते हुए इसे सभी स्तर पर सफल बनाएं ताकि शत-प्रतिशत बच्चों को शाला में प्रवेश एवं ठहराव सुनिश्चित करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर समग्र शिक्षा की लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके। सत्र प्रारंभ होने से पहले शाला प्रबन्धन समिति की विशेष बैठक का आयोजन करने कहा गया है। शाला प्रवेश उत्सव आयोजन के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश उत्सव के दौरान प्रथम दिवस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सभी शालाओं में आयोजन किया जाए।

शाला प्रवेश उत्सव के द्वितीय दिवस- शाला में बड़े कक्षाओं के विद्यार्थी, शिक्षा में रूचि लेने वाले युवाओं, माताओं एवं सेवानिवृत्त व्यक्तियों की बैठक लेकर अपने क्षेत्र को शून्य ड्राप आउट गाँव घोषित करने आवश्यक कार्यवाहियों, प्रतिदिन प्रभात फेरी निकाले जाने की प्रक्रिया एवं रूट चार्ट, घर-घर संपर्क की प्रक्रिया का विवरण एवं अभ्यास, नुक्कड़ नाटक का अभ्यास, शाला से बाह्य बच्चों को मुख्यधारा में जोडने के प्रयास आदि पर चर्चा एवं बच्चों को तैयार किया जाएगा।

पल भर में खाक हो गई इलेक्ट्रिक स्कूटी, चार्जिंग के दौरान हुआ ब्लास्ट, कार का हिस्सा भी जला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इलेक्ट्रिक टू व्हीलर किस कदर खतरनाक हो सकते हैं इसका नजारा मंगलवार को देखने को मिला। लोहिया रोड कैलाश नगर निवासी विश्वनाथ जायसवाल के

घर पर चार्जिंग के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटी में ऐसा ब्लास्ट हुआ कि वह जलकर खाक हो गया। जिस समय हादसा हुआ उस समय घर के लोग सोए हुए थे। आग लगने के बाद स्कूटी ने कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में परिवार के लोग बाल बाल बचे।

मिली जानकारी के अनुसार लोहिया रोड कैलाश नगर निवासी विश्वनाथ जायसवाल ने लगभग साल भर पहले जॉय कंपनी की इलेक्ट्रिक स्कूटी लिया था। मंगलवार की सुबह 4 बजे लगभग स्कूटी को चार्जिंग पर लगाया। इसके बाद घर के भीतर चले गए। कुछ देर बाद धमाके के साथ स्कूटी जलने लगी। कुछ ही देर में स्कूटी बुरी तरह से जल गई। स्कूटी के बगल में कार खड़ी थी उसका भी एक हिस्सा जल गया। घर वालों ने कड़ी मशक्कत कर आग को बुझाया लेकिन तब तक स्कूटी पूरी तरह से खाक हो गई। स्कूटी में जब आग लगी तब घर में अफरा तफरी का माहौल बन गया। गाड़ी मालिक विश्वनाथ ने डायल 112 को भी कॉल किया लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। इसके बाद परिवार वालों के साथ मिलकर खुद ही आग बुझाई।

टैक्स चोरी करने ट्रांसपोर्टर का खेल, एक ही नंबर से चल रहे थे दो ट्रक, पुरानी भिलाई पुलिस ने जब्त किए दोनों वाहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पांच साल पहले साउथ की एक मूवी मिडिल क्लास अब्बाई (MCA) रिलीज हुई थी। इस फिल्म में दिखाया गया कि ट्रांसपोर्टर परिवहन विभाग को चुना लगाने एक ही नंबर से अलग अलग कई बसें चलवाता था। खैर वह तो फिल्म थी लेकिन भिलाई में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया। सोमवार की रात को गुरु कृपा ट्रांसपोर्ट की दो ट्रक पुरानी भिलाई पुलिस ने जब्त किए हैं। इन दोनों ट्रकों के रजिस्ट्रेशन नबंर एक हैं। अब पुलिस इसकी जांच कर रही है।

दरअसल पुरानी भिलाई पुलिस को सूचना मिली कि ट्रांसपोर्ट नगर में गुरु कृपा ट्रांसपोर्ट कंपनी का मालिक एक नंबर से कई गाड़ियां बेखौफचला रहा है। सूचना के बाद जब पुलिस की एक टीम ट्रांसपोर्ट नगर पहुंची तो वहां दो ट्रेलर खड़े थे और दोनों में नबंर सीजी 04 जेसी 7212 लिखा हुआ था। उक्त दोनों ट्रक दादा रेडिएटर नाम से रजिस्टर्ड हैं और गुरू कृपा ट्रांसपोर्ट कंपनी में चलते हैं। पुलिस ने मौके पर ट्रक मालिक का पता लगाया लेकिन कोई नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने दोनों वाहन जब्त कर लिए।

टैक्स चोरी के लिए ट्रांसपोर्टरों का है खेल

बताया जा रहा है कि एक ही नंबर से एक से ज्यादा वाहन चलाने पर टैक्स बचाना आसान हो जाता है। इससे परिवहन विभाग को तगड़ा चूना लगता है। एक ही नंबर का टैक्स पे करते हैं और बाकी ट्रकों का परमिट सरेंडर कर देते हैं। यानी एक ट्रक के परमिट में एक से ज्यादा ट्रकों को दौड़ाते हैं। ऐसे ट्रकों से अपराध को भी बढ़ावा मिलता है। इस मामले में पुरानी भिलाई पुलिस का कहना है कि दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है और इसके मालिक को दस्तावेज के साथ तलब किया गया है। जांच के बाद यदि कुछ भी गलत पाया जाता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की जांच 27 जून तक, कलेक्टर मीणा ने किया प्रथम स्तरीय जांच प्रक्रिया का निरीक्षण

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले के 6 विधानसभा हेतु जिला स्तर पर ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच 10 जून से प्रारंभ है। जांच प्रक्रिया 27 जून 2023 तक की जाएगी। उक्त जांच ईसीआईएल हैदराबाद के 12 इंजीनियर के दल प्रतिदिन प्रथम स्तरीय जांच कर कार्य कर रहे हैं। जांच में सही पाए जाने वाले मशीनों का उपयोग विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान कार्य के लिए किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने आज ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच का निरीक्षण किया। उन्होंने जांच कर रहे ईसीआईएल के इंजीनियरों से इवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के संबंध में जानकारी ली। साथ ही आयोग के निर्देशानुसार इवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का बारिकी से जांच करने कहा।

बस इतने ही संवेदनशील हैं हम

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कई प्रयोग किये गये हैं। सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में भी खूब इजाफा हुआ है। झुग्गी झोपड़ियों तक मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंच रही हैं ताकि लोगों को उनके घर के पास ही इलाज मिल सके। इसमें डॉक्टर से लेकर पैथोलॉजी की छोटी-मोटी जांचें तक तत्काल हो जाती हैं। एक ऐसी ही श्रृंखला है 'हमर अस्पतालों' की। दरअसल, ये भी स्वास्थ्य केन्द्र ही हैं। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि समय पर सबको इलाज मिले ताकि रोग नासूर न बन जाए। सरकार को पता है कि गरीब मजदूर वर्ग जब तक स्थिति गंभीर न हो जाए, अस्पताल नहीं जाता। वह मोहल्ले के झोला छाप डॉक्टरों से ही इलाज करवा लेता है। सीधे मेडिकल पहुंचकर उसी से दवा पूछ और खरीद लेते हैं। क्योंकि उनके लिए अस्पताल जाने और लाइन लगाने का मतलब एक दिन की रोजी-रोटी गंवाना भी होता है। पर सरकार की इस मंशा को चिकित्सा सेवा से जुड़े लोगों की संवेदनहीनता पलीता लगा रही है। अस्पतालों के शहर रायपुर के गुढ़ियारी पड़ाव क्षेत्र में भी एक 'हमर अस्पताल' है। यहां एक गर्भवती को लाया जाता है। वह काफी तकलीफ में है, परिजन उतावले हो रहे हैं पर डॉक्टरों के पास मरीज की फौरी जांच की भी फुर्सत नहीं। परिजन दबाव बनाते हैं तो उनका सपाट जवाब मिलता है कि प्रसव से पहले इस तरह का दर्द होना स्वाभाविक है, सभी को होता है। पर साथ आई महिलाओं को लगता है कि यह दर्द, और महिलाओं को होने वाले दर्द जैसा नहीं है। आखिर इस दर्द से वे सभी, कभी न कभी गुजरी हैं। महिला 2-3 घंटे तक ऐसे ही तड़पती रहती है। जब चिकित्सक उसकी जांच करते हैं तो पता चलता है कि गर्भनाल बच्चे के गले में फंसा हुआ है। तब जाकर महिला को निजी अस्पताल रिफर किया जाता है। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कहा जाता है कि प्रसव के समय महिला जिस वेदना से गुजरती है वह शरीर की सारी हड्डियों के एक साथ टूटने जैसा होता है। चिकित्सा सेवाओं से दूर गर्भवती इसे सहने के लिए मजबूर होती है। पर अस्पताल में भी अगर उसे इसी स्थिति से गुजरना पड़े तो इसे क्या कहा जाएगा? क्या मानवीय संवेदनाएं पूरी तरह समाप्त हो गई हैं? जिला चिकित्सा अधिकारी अब इस घटना की जांच करवाएंगे। क्या लिखा जाएगा जांच रिपोर्ट में? पहली ही लाइन में लिखा होगा कि गर्भवती महिला की मौत एक निजी अस्पताल में हुई। महिला को 'हमर अस्पताल' से बेहतर चिकित्सा के लिए वहां रिफर किया गया था। गर्भस्थ शिशु के गले में गर्भनाल फंसी हुई थी। पर जो अमानवीयता अस्पताल में हुई, क्या उसका भी जिक्र इस जांच रिपोर्ट में होगा? ऐसी कोई संभावना न के बराबर है। मॉड्यूलर ओटी, तमाम उपकरणों का तामझाम तब तक बेमानी है जब तक यहां काम करने वालों में सेवा भाव और मनुष्यता न हो।

संपादकीय

निजता की रक्षा

देश में इस अफवाह से सनसनी फैल गई थी कि कोविन में दर्ज डाटा लीक हो गया है, मगर केंद्र सरकार ने तत्काल पड़ताल करते हुए स्पष्ट कर दिया कि कोई डाटा चोरी नहीं गया है। खासतौर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय निशाने पर आ गया था और विपक्ष के अनेक नेता सरकार पर हमलावर हो गए थे। कोविन पर करोड़ों लोगों का डाटा दर्ज है। यह वही कोविन है, जिसके जरिये देश में टीकाकरण हुआ है। कोविन को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अभियान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रव्यापी स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। पता नहीं कैसे कोविन पर सवाल उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कथित तौर पर लीक डाटा को 'रेड फोरम' नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, बल्कि सरकार के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर सवाल उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल पूरी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधमारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि क्या कोविन का डाटा लीक करने की साजिश हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिराक में घात लगाए बैठे हैं? अगर ऐसी कोई साजिश हो रही है, तो यह न केवल गोपनीयता या निजता का उल्लंघन है, बल्कि यह राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ भी है। भारत दुनिया की सबसे विशाल आबादी वाला देश है और जाहिर है, यह एक बड़ा बाजार भी है, अत: यहां लोगों से संबंधित आंकड़े न जाने कितनी कंपनियों की स्वार्थ-पूर्ति का माध्यम बनेंगे? अत: सरकार को पूरी गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। सरकारी सर्वर को चाक-चौबंद करना जरूरी है। भारतीयों का डाटा सौ तालों में सुरक्षित रहना चाहिए। हर कोई केवल अपना डाटा देख सके, बिना सहमति या ओटीपी के किसी को भी किसी अन्य का डाटा देखने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। सरकार भी बहुत जरूरी होने पर ही इस डाटा का सदुपयोग करे। कोविन की जितनी प्रशंसा की जाए कम है, इसके जरिये भारत में कोविड वैक्सीन की 2.2 अरब खुराक दी गई है। अनुमान के अनुसार, 80 करोड़ के करीब लोगों को टीका लगा है। अगर किसी कंपनी या अपराधी को इतने लोगों का एकमुश्त डाटा चाहिए, तो उसकी जगह जेल में है। बहरहाल, सरकार ने आश्वस्त किया है कि कोविन पोर्टल सुरक्षित है। वेब एप्लिकेशन फायरवॉल, एंटी-डीडीओएस, एसएसएल/ टीएलएस, नियमित भेद्यता मूल्यांकन, पहचान व एक्सेस प्रबंधन आदि के साथ इस पर अधिक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इन सुरक्षा उपायों को आंतरिक रूप से लगातार बदलते रहना चाहिए। यह ठीक इसी प्रकार से है कि ताला बदलते रहिए, ताकि नकली चाभी बनाने की साजिश करने वाले सेंधमार मुंह की खाते रहें। उससे भी जरूरी है कि डाटा बेचने वाले तमाम लोगों, हैकर्स व उनके अवैध संस्थानों पर भी कड़ाई से लगाम लगाई जाए। ऑनलाइन दुनिया में डाटा चोरी का तंत्र खत्म होना चाहिए।

> भारत दुनिया की सबसे विशाल आबादी वाला देश है और जाहिर है, यह एक बड़ा बाजार भी है, अत: यहां लोगों से संबंधित आंकड़े न जाने कितनी कंपनियों की स्वार्थ-पूर्ति का माध्यम बनेंगे? अत: सरकार को पूरी गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। सरकारी सर्वर को चाक-चौबंद करना जरूरी है।

जात और आरक्षण से भाजपा की मुश्किल

तीन दशक पहले भारत में मंडल बनाम कमंडल की राजनीति शुरू हुई थी। हैरानी की बात है कि अब भी यह उत्तर भारत की राजनीति का कोर तत्व है। धर्म या हिंदुत्व की राजनीति जहां भाजपा की ताकत है वही जाति या आरक्षण की राजनीति उसकी कमजोरी। यह सिर्फ उत्तर भारत की परिघटना नहीं है, बल्कि जहां भी जाति और आरक्षण का मुद्दा राजनीति पर हावी होता है वहां भाजपा को नुकसान होता है। कर्नाटक में हाल में हुए विधानसभा चुनाव की मिसाल से इसे समझा जा सकता है। वहां चुनाव से पहले भाजपा ने आरक्षण की राजनीति में हाथ डाला था। उसने अनुसूचित जाति के आरक्षण के भीतर एक आरक्षण का प्रावधान किया था और चार फीसदी मुस्लिम आरक्षण खत्म करके उसे राज्य की दो सबसे ताकतवर जातियों- वोक्कालिगा और लिंगायत में बांट दिया था। ये दोनों दांव भाजपा पर बहुत भारी पड़े हैं और ऐसा भाजपा के ही नेता कह रहे हैं।

पिछले दिनों कर्नाटक में हार की समीक्षा के लिए प्रदेश भाजपा के नेताओं की एक बड़ी बैठक हुई थी, जिसमें राज्य के प्रभारी अरुण सिंह, राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा व बसवराज बोम्मई और प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील शामिल थे। इसमें जीते हुए सभी 66 विधायकों और हारे हुए प्रतिनिधियों को बुलाया गया था। सबने एक स्वर में कहा कि आरक्षण में छेड़छाड़ से नुकसान हुआ। दलित आरक्षण के भीतर एक आरक्षण बनवाने से बंजारा समुदाय पूरी तरह से नाराज हुआ, जिसका असर 42 सीटों पर पड़ा और वोक्कालिगा व लिंगायत का आरक्षण बढ़ाने से ओबीसी पूरी तरह से कट गया। उसने भाजपा को छोड़ दिया। सोचें, कर्नाटक जैसे विकसित राज्य में भी आरक्षण का मुद्दा चुनाव में इतना असर डाल सकता है तो उत्तर भारत के राज्यों के बारे में क्या कहा जा सकता है, जहां पूरी राजनीति ही आरक्षण के ईर्द-गिर्द होती है!

इससे पहले देखें तो 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा करने का बयान दिया था, जिसका चुनावी मुद्दा बना और भाजपा बुरी तरह से हारी। एक बार फिर 2024 के चुनाव से पहले आरक्षण का मुद्दा बन रहा है। बिहार में जातीय जनगणना चल रही है, जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगाई है। लेकिन बिहार की दोनों मंडलवादी पार्टियों- राजद और जदयू के साथ साथ उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने भी साफ कर दिया है कि जातीय जनगणना जरूरी है और इसके नतीजों के आधार पर हर जाति को उसकी आबादी के अनुपात में आरक्षण मिलना चाहिए। इन तीनों पार्टियों ने आरक्षण की सीमा बढ़ाने का दांव चला है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अब तक जाति और आरक्षण की राजनीति से दूरी रखने वाली कांग्रेस भी इसमें शामिल है। कर्नाटक में राहुल गांधी ने 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा दिया। यह सातवें, आठवें दशक में लगने वाले नारों का दोहराव है। तब नारा लगता था, 'पिछड़ा पावे सौ में साठ' या 'जिसकी जितना संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी'।

सो, हिंदी पट्टी यानी उत्तर भारत के राज्यों में मजबूत आधार वाली पार्टियों- कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद और जदयू ने जातिगत जनगणना और जातियों की संख्या के अनुपात में आरक्षण का मुद्दा बनाया है। भाजपा के लिए यह पूरी तरह से अनजाना मैदान है। वह इसमें घुसने के खतरे जानती है। जिस तरह से बाकी पार्टियां धर्म या हिंदुत्व की राजनीति में घुस कर भाजपा से नहीं लड़ सकती हैं वैसे ही भाजपा जाति की राजनीति में घुसेगी तो उसे नुकसान होगा। ध्यान रहे हिंदी पट्टी के सभी राज्यों में एक जैसी जातिगत संरचना है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान आदि बड़े राज्यों में अन्य पिछड़ी जातियों की आबादी 50 फीसदी से थोड़ा ऊपर नीचे है। इन राज्यों में पिछले दो चुनावों में भाजपा को प्रचंड जनादेश मिला है। ज्यादातर राज्यों में लगभग सभी सीटें भाजपा या उसकी सहयोगी पार्टियों ने जीती थीं।

> प्रवेश और निकास द्वारों पर जब तक उसी तरह से पूरी तलाशी नहीं ली जाएगी, जैसी हवाई अड्डों पर होती है, तब तक लखनऊ जैसी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसमें कोई शक नहीं है कि कचहरी की भीड़ और हवाई अड्डों की भीड़ अपनी संख्या, अनुशासन या वर्गीय चरित्र में पूरी तरह से भिन्न होती है, इसलिए वहां तो पूरी तलाशी तभी हो सकती है।

अदालत और जेल में सुरक्षा की चिंता

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

लखनऊ में 7 जून को पुलिस की गिरफ्त में एक दुर्दांत अपराधी की पेशी के दौरान जिला अदालत में गोली मारकर हत्या कर दी गई। फायरिंग में एक महिला और बच्ची भी घायल हुई। हत्यारों में से एक घटनास्थल पर ही पकड़ लिया गया। विडंबना यह है कि इतने जघन्य हत्याकांड के हत्थे कुछ दिनों तक अखबारों की सुर्खियां और पक्ष-विपक्ष के राजनीतिक दोषारोपण के अलावा कोई गंभीर विमर्श नहीं चढ़ा। देश के विभिन्न भागों में, जिनमें उत्तर प्रदेश भी अपवाद नहीं है, अदालतों, अस्पतालों या बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में कुछ दशकों पूर्व कभी-कभी और अब अक्सर ऐसी वारदात होती दिखती हैं। अफसोसनाक यह कि लखनऊ की हालिया घटना की तरह बहुत सारे मौकों पर हमले पुलिस अभिरक्षा में मौजूद बंदियों पर हुए और तैनात सुरक्षाकर्मी प्राय: असहाय दर्शक की भूमिका में दिखे। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को राज्य अपनी अभिरक्षा में लेता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उसी की होती है। इस तरह से ऐसे मामलों में राज्य को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

पहली चिंता इस तथ्य पर होनी चाहिए कि यह गंभीर वारदात उत्तर प्रदेश की राजधानी के न्यायालय परिसर में हुई है। आम जानकारी है कि न्यायालयों के परिसर भीड़भाड़ वाले इलाके होते हैं और इस भीड़ में विभिन्न तरह की ड्यूटी पर आए पुलिस के सशस्त्रकर्मी भी होते हैं। पिछले दिनों प्रदेश के उच्च न्यायालय व कुछ जिला न्यायालय परिसरों में ऐसी घटनाएं हुईं, जिनके चलते एहतियातन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इनमें अतिरिक्त पुलिस बल लगाने के अलावा कचहरियों में प्रवेश के समय सभी की तलाशी लेना सबसे महत्वपूर्ण कदम है। लखनऊ में हत्यारे आधुनिक हथियारों के साथ वकीलों की पोशाक में आए। मतलब साफ है कि न्यायालय परिसर में प्रवेश के समय उनकी तलाशी नहीं ली गई थी। यहां यह उल्लेख करना अप्रासंगिक नहीं होगा कि भारत में किसी कानून-व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसी द्वारा तलाशी को अपमानजनक समझा जाता है, खास तौर से विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों द्वारा। वकील भी निस्संदेह एक ऐसे ही वर्ग हैं। इसे इस तथ्य से भी समझा जा सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अलग-अलग प्रकरणों में वकीलों के हड़तालों पर जाने को प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद वे समय-कुसमय हड़ताल पर जाते ही रहते हैं और अपवाद स्वरूप ही न्यायालय उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते दिखते हैं।

पुलिस से तो उनके रिश्ते और भी उलझाव भरे हैं। दोनों के बीच अक्सर मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। कचहरियों में दो गुटों में मारपीट एक आम दृश्य हो गया है और इनमें से एक में अक्सर वकील होते हैं। उनके बीच हस्तक्षेप के लिए पहुंची पुलिस न चाहते हुए भी एक पक्ष बन सकती है। बिना इस बहस में पड़े कि किसकी गलती है, कहा जा सकता है, पुलिसकर्मियों के मन में यह आशंका हमेशा रहती है कि दंडित वे ही होंगे। संभवत: यही कारण है कि एक औसत पुलिसकर्मी के मन में किसी काली कोट वाले की तलाशी लेने को लेकर एक स्वाभाविक हिचक होती है। 7 जून को भी लखनऊ अदालत में यही हुआ होगा। सारे हमलावर काली कोट में आए और कचहरी के प्रवेश द्वार पर बैठे पुलिसकर्मियों ने उन्हें बिना किसी प्रभावी तलाशी के अंदर आने दिया।

प्रवेश और निकास द्वारों पर जब तक उसी तरह से पूरी तलाशी नहीं ली जाएगी, जैसी हवाई अड्डों पर होती है, तब तक लखनऊ जैसी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसमें कोई शक नहीं है कि कचहरी की भीड़ और हवाई अड्डों की भीड़ अपनी संख्या, अनुशासन या वर्गीय चरित्र में पूरी तरह से भिन्न होती है, इसलिए वहां तो पूरी तलाशी तभी हो सकती है, जब बार के वरिष्ठ सदस्य व अदालतें इस प्रक्रिया का समर्थन करें और बिना तलाशी अंदर आने की जिद करने वाले वकीलों को अनुशासित करें। फिलहाल तो यही लगता है कि थोड़े समय तक चुस्ती रहेगी और फिर सब कुछ पूर्ववत हो जाएगा।

पिछले कुछ दिनों में जो बड़े हमले हुए, उनमें एक और चिंताजनक चीज दिखी है। वे दिन गए, जब हत्या में देशी हथियार इस्तेमाल होते थे, अब तो अपराधियों के पास अत्याधुनिक विदेशी पिस्तौलें और स्वचालित राइफलें उपलब्ध हैं। पिछले दिनों जिन हत्याओं की चर्चा मीडिया में छाई रही, उन सबमें प्रयोग किए गए शस्त्र विदेशी व महंगे थे। लखनऊ अदालत में 7 जून को मारा गया गैंगस्टर संजीव जीवा एक ऐसा ही अपराधी था, जो अंतरराष्ट्रीय शस्त्र व्यापारियों से उन्नत हथियारों की खेप मुख्तार अंसारी जैसे अपराधियों के लिए मंगाता था। पुलिस व गुप्तचर संस्थाएं फिलहाल इनके सामने असहाय लग रही हैं। विदेशी हथियार मंगाने वाले अपराधी किसी न किसी अंतरराष्ट्रीय कार्टेल से जुड़े होते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई भी अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठनों से गहरे तालमेल से ही संभव होती है।

यह भी किसी से छिपा नहीं है कि इस समय भारतीय जेलें अपराध का गढ़ बन चुकी हैं। सारे गंभीर अपराधों की योजनाएं वहीं बनती हैं, वहीं बैठा कोई बड़ा अपराधी छोटे अपराधियों को काम देता है, टारगेट देता है, उन्हें हथियार उपलब्ध कराता है और बाहर कार्यरत अपने संपर्क-तंत्र से उनको जरूरी वित्तीय या कानूनी समर्थन दिलवाता है। दिल्ली की तिहाड़ जेल कई बार गैंगवार का मैदान बन चुकी है। सवाल खड़े हो गए हैं कि देश की यह प्रशंसित जेल कितनी सुरक्षित है? प्रयागराज में पिछले दिनों उमेश पाल हत्याकांड तो उन असंख्य मामलों में से एक है, जिसकी पूरी तैयारी बरेली जेल में की गई थी। आश्चर्य नहीं कि विवेचना में संजीव जीवा की हत्या के तार भी लखनऊ जेल से जुड़े मिले हैं।

दरअसल, अब स्थिति ऐसी हो गई है, जब पूरी न्यायिक प्रणाली, जिसके पुलिस और जेल बहुत महत्वपूर्ण अंग हैं, में व्यापक सुधारों की बात होनी चाहिए। केवल ऊपरी रंग-रोगन से काम नहीं चलेगा। यह भी अच्छी तरह से मन में बैठा लेने की जरूरत है कि संविधानेतर तौर-तरीके भी लंबे समय तक अपराध रोकने में कारगर नहीं होते हैं। यदि पुलिस को अपने काम के अलावा न्यायाधीश और जल्लाद की भूमिका देने से अपराध का सफाया हो सकता, तो अब तक हम अपराध मुक्त समाज में रह रहे होते। कुछ अपराधियों को मार देने या कुछ के घर गिरा देने से सिर्फ फौरी राहत मिल सकती है, दीर्घकालीन सुधार तो बुनियादी बदलावों से ही संभव हो सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से सभी को बड़ी उम्मीदें

सुरेंद्र कुमार, पूर्व राजनयिक

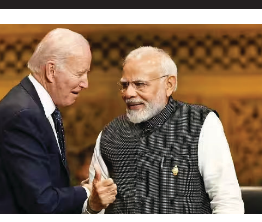

दस साल पहले किसने सोचा होगा कि नरेंद्र दामोदरदास मोदी का सामना बारी-बारी से तीन अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ होगा? एक समय उन्हें अमेरिकी वीजा देने से भी मना कर दिया गया था। गौर कीजिए, ये तीन अमेरिकी राष्ट्रपति दो अलग राजनीतिक विचारधारा के रहे हैं और किसी ने नहीं सोचा होगा कि नरेंद्र मोदी की इन अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ इतनी अच्छी निभेगी। बराक ओबामा तो चकित रह गए थे, जब अपने सम्मान में रात्रिभोज के लिए व्हाइट हाउस आए अतिथि नरेंद्र मोदी ने भोजन नहीं किया था, उनका नवरात्र उपवास चल रहा था। ओबामा इतने अभिभूत थे कि अगली सुबह उन्होंने लिंकन स्मारक की यात्रा पर निजी रूप से मोदी के साथ जाने का फैसला किया था। इसके बाद ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकियों ने मोदी का किसी रॉक स्टार की तरह स्वागत किया था, तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तो एक सहायक भूमिका तक सिमट गए थे। आश्चर्य की बात नहीं कि पिछले महीने हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने मजाक में कहा कि प्रवासी भारतीयों में मोदी की लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें उनसे ऑटोग्राफ लेना पड़ सकता है। मोदी अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दूसरी बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन जाएंगे।

बाइडन प्रशासन 21 से 24 जून तक प्रस्तावित मोदी की यात्रा की तैयारियों में जुटा है। अमेरिका चाहता है, यह राजकीय यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर पहुंचाएं। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने इसके महत्व पर जोर देते हुए कहा है, दुनिया में भारत-अमेरिका संबंध भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, पीके मिश्रा ने बाइडन के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ चर्चा की है और अमेरिकी वाणिज्य सचिव और यूएस एड प्रशासक से मुलाकात की है। यात्रा के संदर्भ में दोनों देशों के अन्य अधिकारियों की भी विभिन्न स्तरों पर बैठकें हुई हैं। याद कीजिए, अभी-अभी व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने लगभग चहकते हुए कहा है, 'भारत एक जीवंत लोकतंत्र है! जाहिर है, दोनों पक्ष सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। अब वाशिंगटन और नई दिल्ली में सत्ता परिवर्तन से दोनों देशों के बीच संबंध नहीं बिगड़ते हैं। भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए अमेरिकी कांग्रेस और सीनेट में भी पूरा समर्थन है। भारत में भी यूपीए और एनडीए, दोनों सरकारों ने अपने-अपने तरीके से अमेरिका के साथ संबंधों को गहरा करने की कोशिश की है।

भारत ने अमेरिका के साथ निकटतम संभावित रक्षा और सुरक्षा सहयोग के महत्व को महसूस किया है। अमेरिका ने भारत को प्रमुख रक्षा भागीदार और एसटीए-1 का दर्जा दिया है। अभी अजीत डोभाल और अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार सुलिवन की बैठकें और लॉयड ऑस्टिन की यात्रा ने अटकलों को बल दिया है कि क्रिटिकल ऐंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पर पहल के तहत जीई 414 जेट इंजन, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और मिलकर उत्पादन के करार की घोषणा हो सकती है। इससे भारत के आत्मनिर्भर होने की कोशिशों को बल मिलेगा। अमेरिका एलएसी पर भारत के रुख, क्वाड, इंडो-पैसिफिक में उसकी भूमिका का समर्थन करता रहा है और जी-20 में भारत की अध्यक्षता की भी सराहना करता रहा है। वह भारत को सबसे अधिक आबादी वाला लोकतंत्र और बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ दुर्जेय सैन्य शक्ति के रूप में भी देखता है। इन दोनों देशों के बीच संबंध ऐसी परिपक्वता के स्तर पर पहुंच गए हैं, जहां दोनों का नेतृत्व यूक्रेन, रूस, ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मामलों में परस्पर मतभेद को अपने संबंधों पर हावी न होने देने के पक्ष में है।

अमेरिका ने भारत को रूस से एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की खरीद के लिए भी छूट प्रदान की थी। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा नहीं करना और अमेरिका व उसके सहयोगियों के दबाव का सामना करते हुए बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को दर्शाता है। अमेरिका ने भारत की ऐसी स्वायत्तता के साथ रहना सीख लिया है। आज कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति 40 लाख अमीर और प्रभावशाली भारतीय अमेरिकियों की उपेक्षा नहीं कर सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जी-20 ने हमें डिजिटल स्वास्थ्य के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण देने किया दुर्लभ अवसर प्रदान

डॉ. मनसुख मांडविया, केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

आज इंटरनेट के बिना हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें, जहां कंप्यूटर नेटवर्क एक-दूसरे से जुड़े न हों। इस तरह की संपर्क रहित दुनिया में, एक देश के लोग ऐसी क्षमता के पुन: आविष्कार पर कार्य करना जारी रख सकते हैं जिसे विश्व के दूसरे भाग में वर्षों से उपयोग किया जा रहा है। लेकिन एक मानकीकृत इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) के बिना, वास्तविकता का हमारा संस्करण मूल रूप से ऐसी व्यवस्था से अलग दिखाई देगा जिसके पास कई स्थानीय क्षेत्रीय नेटवर्क तो हैं लेकिन प्लग-इन करने के लिए कोई समान मानक इंटरनेट सुविधा नहीं है। वास्तविकता का यह वैकल्पिक संस्करण उस प्रवाह के समान है जिसका डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र आज सामना कर रहा है- विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के मुहाने पर मौजूद दुनिया इस मामले में अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व से एक मानकीकृत ढांचे और दिशा के साथ-साथ एक निर्णायक पहल की प्रतीक्षा कर रही है ताकि इसके माध्यम से अरबों लोगों को लाभान्वित करने की क्षमता रखने वाले नवाचार को ग्लोबल साउथ में बढ़ावा देते हुए बनाए रखना सुनिश्चित किया जा सके।

डिजिटल स्वास्थ्य की उत्साहपूर्ण दुनिया छोटे किन्तु प्रभावपूर्ण प्रायोगिकों और उप-क्षेत्रों में स्मार्ट वियरेबल्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल केयर, रिमोट मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक-चेन, डेटा एक्सचेंज को सक्षम बनाने वाले उपकरण, स्टोरेज, दूरस्थ डेटा कैप्चर जैसे नवाचारों से परिपूर्ण हैं परन्तु यह एकीकृत वैश्विक दृष्टिकोण के अभाव में एक बिखरे हुए इकोसिस्टम में उलझी हुई है। ये सारी परिस्थितियां ऐसे समय में हैं जब महामारी ने हमें पहले से ही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की असाधारण क्षमता का अहसास करा दिया है।

डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की रूपरेखा तैयार करना- भारत में एक महान प्रयोग हाल के दिनों में हम भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करने के साथ-साथ इसका अनुभव कर चुके हैं। कोविड-19 के दौरान, कोविन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूरी तरह से गेम-चेंजर सिद्ध हुए। इन डिजिटल उपकरणों ने न सिर्फ टीके लगाने के तरीके को ही बदल दिया बल्कि इनके माध्यम से एक अरब से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं और इनमें वे लोग भी शामिल थे, जिन तक पहुंचना सबसे मुश्किल कार्य था।

भारत के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम का डिजिटल आधार- कोविन, जहां एक ओर वैक्सीन की उपलब्धता और इसे लगाए जाने की व्यवस्था पर नज़र रखता है तो वहीं दूसरी ओर यह प्रत्येक लाभार्थी के कोविड-19 टीकाकरण के लिए पंजीकरण करने के अलावा वास्तविक टीकाकरण प्रक्रिया, टीकाकरण के प्रमाण के रूप में डिजिटल प्रमाणपत्र के साथ-साथ अन्य सुविधाऐं भी प्रदान करता है।

लोगों और व्यवस्था के बीच सूचना की विषमता को कम करते हुए, कोविन ने टीकाकरण अभियान को लोकतंत्रात्मक बनाते हुए यह सुनिश्चित भी किया कि सभी पात्र लाभार्थियों के लिए टीकों की उपलब्धता को सुलभ बनाया जा सके। अमीर हो या गरीब, यह सभी के लिए टीकाकरण कराने का समान तरीका था और सभी टीका लगवाने के लिए एक ही कतार में खड़े थे। इस सशक्त साधन की क्षमता को देखते हुए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे दुनिया के लिए एक भेंट के रूप में प्रस्तुत किया।

इसी तरह से टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ई-संजीवनी, जिसके माध्यम से लोगों को अपने घर पर ही आरामपूर्वक डॉक्टरों के साथ ऑनलाइन परामर्श की सुविधा मिली, शीघ्र ही लोकप्रिय हो गया और इसके माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परामर्श लिए गए। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक दिन में सर्वाधिक 5 लाख से अधिक परामर्श भी लिए गए।

डिजिटल रूप से सक्षम कोविड वार रूम ने लगभग वास्तविक समय पर ही हमें साक्ष्य-आधारित नीतिगत निर्णय लेने में सहायता की। एक विशेष निगरानी प्रणाली- कोविड-19 इंडिया पोर्टल ने भौगोलिक स्थिति के आधार पर न सिर्फ बीमारी बल्कि मामलों की संख्या के आधार पर राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर मांग का आकलन करते हुए आवश्यक आपूर्ति के लिए आवश्यक वस्तु सूची की निगरानी भी की। आरोग्य सेतु, आरटी-पीसीआर ऐप और अन्य डिजिटल उपकरणों के माध्यम से हमारे देश के डेटा को नीति में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त किया जिसने हमारी कोविड-19 नीति प्रतिक्रिया को एक परिमाण के क्रम से मजबूत किया।

सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल उपकरणों की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए, भारत पहले से ही एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को तैयार कर रहा है। इसके माध्यम से रोगी अपने मेडिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और इसे प्राप्त करने के अलावा उचित उपचार और उपचार उपरान्त की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझा कर सकते हैं। यह रोगियों को स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवा

प्रदाताओं के बारे में सटीक जानकारी दिलाने में मदद करता है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत दुनिया के लिए, विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में समान डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए हमारे शिक्षण और संसाधनों को साझा करने के लिए तैयार है ताकि हमारे अनुभव उन्हें डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के लिए किए जाने वाले प्रयासों में मदद कर सकें। विश्व के इन क्षेत्रों में सुविधाओं से वंचित लोग अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों और नवाचारों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं और इसे सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाव कवरेज का सपना साकार हो सकता है। वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम क्या है? कॉपीराइट व्यवस्थाओं और स्वामित्व प्रणालियों ने डिजिटल समाधानों तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। अधिकांश परिवर्तनकारी डिजिटल समाधान आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वे भाषा, सामग्री और उन तक पहुंचने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में असमान रूप से वितरित हैं। प्रासंगिक डिजिटल सार्वजनिक सामान या ओपन-सोर्स समाधान मौजूद होने पर भी, उनकी उपयोगिता सीमित है क्योंकि वे एक मंच, डेटा और नीति से बंधे हैं जिसके लिए कोई समान वैश्विक मानक नहीं हैं। इसके अलावा, डिजिटल स्वास्थ्य के लिए कोई व्यापक वैश्विक प्रशासनिक प्रारूप भी नहीं है जो विभिन्न प्रणालियों में पारस्परिकता का ध्यान रख सके।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 'आधा अध्याय' शीर्षक से प्रकाशित का किया विमोचन

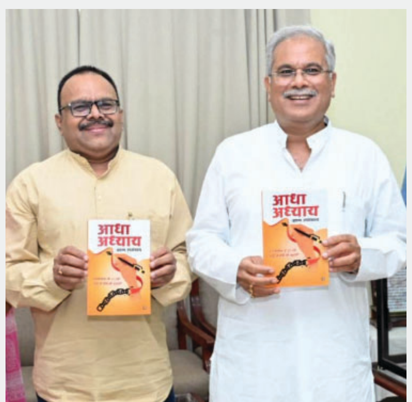

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहाँ अपने निवास कार्यालय में वरिष्ठ पत्रकार एवं नवभारत बिलासपुर के सम्पादक अरुण उपाध्याय द्वारा लिखित पुस्तक 'आधा अध्याय' का विमोचन किया। उन्होंने श्री उपाध्याय को उनकी इस नवीन रचना के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्रीमती स्वर्णा उपाध्याय एवं ओम उपाध्याय भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि श्री उपाध्याय ने अपने 35 वर्षों के पत्रकारिता के अनुभवों पर केंद्रित पुस्तक की रचना की है। जिसमें उन्होंने इस पूरे दौर के सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक, आर्थिक और सम्पूर्ण जन-जीवन में बदलाव को एक रिपोर्टर से लेकर सम्पादक तक की नजर से देखने-समझने और प्रकाशित करने के अपने अनुभवों को दस्तावेज के रूप में दर्शाया है जो नए पत्रकारों के लिए उपयोगी साबित होगा।

कलेक्टर ने किया निर्माणाधीन तांदुला इको टूरिज्म पार्क का निरीक्षण

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने आज संयुक्त जिला कार्यालय बालोद के समीप स्थित तांदुला जलाशय के तट पर निर्माणाधीन इको टूरिज्म पार्क का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से निर्माणाधीन कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली तथा निर्माण कार्य में शत प्रतिशत गुणवत्ता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्माणाधीन पार्क में बनाए जा रहे उद्यान में नियमित रूप से पानी एवं बिजली आदि की समूचित आपूर्ति सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को कार्य योजना बनाकर इस कार्य को निर्धारित समयावधि में पूरा कराने के निर्देश दिए। जिससे की यहां आने वाले सैलानियों को शीघ्र ही इस बेहतरीन इको टूरिज्म पार्क का लाभ मिल सके। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव, एसडीएम श्रीमती शीतल बंसल सहित ग्रामिण सेवा यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता खोबरागड़े एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल मितान-युवा उद्यमी उद्यमिता कौशल विकास परियोजना का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में पेयजल योजनाओं के संचालन और स्थायी रख-रखाव के लिए अपने तरह के पहले और अनूठे कार्यक्रम 'जल मितान-युवा उद्यमी' उद्यमिता कौशल विकास परियोजना का शुभारंभ किया। जिसके तहत ग्रामीण अंचलों में कुशल जल मितानों की उपलब्धता हेतु जल जीवन मिशन और यूनिसेफ की सहभागिता से प्रारंभ किए गए।

इस कार्यक्रम के ग्रामीण युवाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण सर्विसेज, नल-पाइप फिटिंग रिपेयरिंग, आरो फिटिंग-रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिकल फिटिंग-रिपेयरिंग, सोलर पैनल फिटिंग-रिपेयरिंग, पम्प आपरेटर सर्विस आदि ट्रेडों में 21 दिन का आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश में 58 हजार ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री गुरू रूद्र कुमार ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप प्रशिक्षण प्राप्त 90 जल मितान एवं युवा उद्यमियों को निःशुल्क टूल किट प्रदान किए। 15 हजार रूपए की कीमत के टूल किट में युवाओं को सुरक्षा जूता, हेलमेट तथा उपकरण आदि दिए गए हैं। राज्य के 540 युवाओं तथा 90 युवा उद्यमियों को 21 दिनों की उच्च स्तरीय आवासीय ट्रेनिंग दी गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजनाओं के संचालन और संधारण के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उन्हें जल मितान, युवा उद्यमी तथा जल दीदी के रूप में योजनाओं के संधारण और संचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को स्वरोजगार और रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के साथ कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 540 युवाओं को उच्च स्तर का प्रशिक्षण दिया गया है, उन्हें आज निःशुल्क टूल किट प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत इन प्रशिक्षित जल मितान और जल दीदियों को स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त सभी युवाओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र के 50 लाख घरों में नल जल कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत अब तक 24 लाख घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जब इतनी बड़ी संख्या में नल कनेक्शन दिए गए हैं तो उनके संचालन और संधारण के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत भी है, ताकि योजनाओं का सुचारू संचालन हो सके। इन प्रशिक्षित युवाओं को हमेशा रोजगार के अवसर मिलते रहेंगे। काम की कमी नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में कोंडागांव के प्रवास के दौरान भी वहां कौशल विकास का प्रशिक्षण प्राप्त करीब 550 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए थे। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री गुरु रुद्र कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि लॉकडाउन के कारण हमें जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए मात्र दो साल का समय मिला। उन्होंने जल जीवन मिशन की टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन से मात्र 2 साल में जल जीवन मिशन के निर्धारित लक्ष्य के 45 प्रतिशत नल कनेक्शन देने का काम पूरा किया जा चुका है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने कहा कि हम आगे ही इसी तरह काम करते हुए जल्द से जल्द पूरे प्रदेश में नल जल कनेक्शन प्रदान करने का कार्य पूरा करेंगे ताकि लोगों को जल्द से जल्द शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो सके।

शासकीय भूमि को मुक्त कराने एवं बेचने वालों के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र चंद्रशेखर आजाद वार्ड अंतर्गत मठपुरैना, भैरव नगर, गोकुल नगर, बृज नगर, जोगी नगर, कविता नगर में स्थित शासकीय भूमि पर राजस्व एवं निगम के अफसरो और भू माफिया की साठ गाठ से शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण एवं क्रय विक्रय का कार्य बेखौफ किया गया है । शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के साथ ही विक्रय करने वालो पर अपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जानी चाहिए।

सत्यमेव जयते फाउडेशन के मनोज पाल एवं गोविंद चक्रधारी ने बताया कि फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में कलेक्टर जनदर्शन के दौरान उक्ताशय का ज्ञापन दिया गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि वार्ड की शासकीय भूमि को अवैध रूप् से बेचने वालो के खिलाफ लगतार कई महीनो से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की गई पर काई कार्यवाही नहीं होने से हौसले बुलंद होते गये । शासकीय भूमि को मुक्त कराये जाने के साथ ही विक्रय करने वाले भू माफिया के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए।

उन्होने कहा कि मठपुरैना, भैरव नगर, गोकुल नगर, बृज नगर, जोगी नगर, कविता नगर स्थित उल्लेखित वार्ड में बड़े पैमाने पर गिट्टी खदान लीज पर दी गई थी । वर्षो पहले शहरी करण के कारण धीरे-धीरे उक्त खदानों को बंद कर दिया गया । खदान सैकड़ो एकड़ शासकीय भूमि पर थी। चूकि खदानो से गिट्टी का निकासी पूर्ण रूप हो चुकी है प्राकृतिक रूप से जल भराव होने के कारण वहा बड़े -बड़े जल स्त्रोत के रूप में उपलब्ध है, एवं पूरे क्षेत्र के जल स्तर को संतुलित कर पेयजल की परयाप्त व्यवस्था में सहायक था । लेकिन पिछले कुछ वर्षो से लीज पर दी गई खदान (शासकीय भूमि) को पाटकर भूमाफियाओं द्वारा उक्त शासकीय भूमि पर कब्जा कर खरीदी विभागीय सांठ गांठ से विक्रय कर अपराधिक कृत्य किया जा रहा है जिससे शासन को राजस्व में अत्यधिक हानि हो रही है ।

उन्होने कहा कि सरकारी खदान एवं शासकीय भूमि पर बड़ी-बड़ी बिल्डींग व गोदाम बना दिया गया है व कुछ जमीन पर बॉउंड्रीवाल कर कब्जा किया गया है । कब्जाधरियो के पास नगर निगम द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त कर टैक्स रसीद प्राप्त कर ली गई है, यह बिना शासकीय अधिकारी कर्मचारी के संरक्षण सभंव नही है । लगातार सूचना मिलती रही है कि शासकीय गिट्टी खदान एवं शासकीय भूमि का सौदा खुले आम हो रहा है शासकीय जमीन में कब्जा कर नवनिर्माण करना यह अपराध क्षेणी में आता है पर आरोपी आज भी बेखौफअपने काम को अंजाम दे रहे है। भू माफिया को संरक्षण ऐसा है कि अपने अधिकारी के आदेश के बावजूद उसे बचाने का प्रयास जारी है। सत्यमेव जयते फाउण्डेशन ने कहा कि उक्त घटना की उच्च स्तरीय जाँच कमेटी गठित कर कराने की कृपा करें एवं शासकीय भूमि को संरक्षित जन उपयोगी कार्य में लाने की कृपा करें ।

जनदर्शन में शिकायत करने गये प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से कन्हैया अग्रवाल, मनोज पाल, मो. सिद्धीक, शरद गुप्ता, देवेन्द्र पवार, गोविंद चक्रधारी, विजय बाफ्ना, राजेश त्रिवेदी, राजेश विश्वकर्मा, संजय ठाकुर शब्बीर खान, रोहित धोबी शामिल थे ।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज विकासखण्ड मुख्यालय फिंगेश्वर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंच कर सेवाओं और सुविधाओं का अवलोकन एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर अविनाश भोई, एसडीएम सुश्री पूजा बंसल उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निरीक्षण के दौरान अस्पताल में रोगियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए, ओपीडी सेवाओं, भर्ती की सुविधा, प्रसव कक्ष, प्रयोगशाला, रोगी वार्ड एवं प्रसव कक्ष स्टोर रूम, टीकाकरण कक्ष, नेत्र विभाग आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।

उन्होंने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, टीकाकरण, एएनसी रजिस्ट्रेशन, गर्भवती महिलाओं की जानकारी लेते हुए संस्थागत प्रसव व होम डिलीवरी के संबंध में चिकित्सकों से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली दवाइयों का वितरण समय-समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने वार्ड में भर्ती मरीजों और स्वास्थ्य सुविधाओं को देखकर मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य केन्द्र में मिल रही भोजन एवं चिकित्सकीय सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही फार्मासिस्ट से दवाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान मरीजों और उनके परिजनों ने बताया कि उन्हें अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ भोजन भी समय पर उपलब्ध कराया जाता है।

कलेक्टर ने चिकित्सकों को मरीजों के लिए आवश्यक मात्रा में दवाइयां भंडारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्देशित किया कि अस्पताल में उपलब्ध अधोसंरचना का बेहतर से बेहतर उपयोग करें।

ग्रामीण क्षेत्रों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में रोजगार सृजन की असीम संभावनाएं

शासन के अद्भुत नवाचार रीपा से ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्यम के लिए सशक्त अधोसंरचना का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। ग्रामीण क्षेत्रों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में आजीविका एवं रोजगार सृजन की असीम संभावनाएं हैं। शासन के अद्भुत नवाचार रीपा के अंतर्गत लघु उद्यम के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सशक्त अधोसंरचना का निर्माण किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूबंजारी की जमीन बंजर थी, वहां अब रीपा की अधोसंरचना ने आकार लिया है।

यहां 60 लाख रूपए की लागत से मसाला यूनिट, चना-मुर्रा यूनिट, सिलाई मशीन, कारपेंटर, तार फेंसिंग, तेलघानी यूनिट, गुलाल यूनिट, फ्लाईऐश ब्रिक्स यूनिट लगाये गये हैं और कार्य करने के लिए वर्क शेड बनाए गए हैं। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार के निर्देशन में रीपा की अधोसंरचना के लिए विशेष कार्य किये गये हैं। उत्सुकता, ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर समूह की महिलाएं एवं लघु उद्यमी यहां कार्य कर रहे हैं और सीख रहे हैं। एक समय था जब यहां पलायन होता था लोग हैदराबाद, भंडारा, गोंदिया, नागपुर तक कार्य की तलाश में जाते थे, लेकिन अब रूरल इंडस्ट्रियल पार्क प्रारंभ होने से उन्हें यहीं अपने गांव में रोजगार मिल गया है।

मसाला यूनिट में पद्म गायत्री स्वसहायता समूह की महिलाओं को हल्दी, धनिया, मिर्च पीसकर 8 हजार रूपए का मुनाफा हुआ है। मोर गांव के मसाला... नाम से मसाले की ब्रांडिंग की गई हैं, वहीं पैकेजिंग भी की जा रही है। सुंगधित किफायती मसालों की स्थानीय बाजार में बिक्री हुई है। समूह की अध्यक्ष मोतिन पटेल दिव्यांग है लेकिन बहुत सक्रिय हैं और गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं। वे अपनी ट्राइसाइकिल से आती हैं और सभी मिलकर मसाला पीसने का कार्य कर रहे हैं। वर्षा चौधरी ने कहा कि गांव में ही रोजगार मिलने से अब कार्य की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़ता है।

उन्होंने रीपा की सौगात के लिए मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल को शुक्रिया कहा। गांव के उत्साही सरपंच डोमैन कुमार पटेल ने कहा कि समूह की महिलाओं तथा युवा उद्यमियों को यहां आजीविका के लिए अवसर मिला है। नया कार्य सीखने से इनकी आमदनी बढ़ेगी। चना-मुर्रा यूनिट में समूह की महिलाएं चना, मुर्रा के साथ ही पॉपकार्न भी बना रही हैं। यहा उगता सूरज स्वसहायता समूह की 7 महिलाएं कार्य कर रही हैं। राखी मंडामे ने कहा कि यहां कार्य करने से बहुत खुशी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का पलायन रूक गया है और घर के पास ही रोजगार मिल गया है। फ्लाईऐश ब्रिक्स यूनिट में मां बंजारी युवा समिति के 10 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। प्रारंभिक स्तर पर कार्य प्रारंभ करते हुए ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर युवाओं की टोली ने 7 हजार ईंट बना लिए हैं। समूह के अध्यक्ष त्रिलोचन पटेल ने बताया कि अब तक ढाई लाख रूपए के फ्लाईऐश ब्रिक्स के लिए ऑर्डर मिल गया है।

जिसका उपयोग शासकीय भवन तथा अन्य भवन निर्माण के लिए किया जाएगा। कारपेंटर यूनिट में मदन लाल ताम्रकार सोफा, रैक, स्टूल एवं फर्नीचर बनाने का कार्य कर रहे हैं। पिछले 2 माह में लगभग 8 हजार का फायदा हुआ है। अभी 50 स्टूल बनाने का आर्डर मिला है जिससे 35 हजार रूपए आय की प्राप्ति होगी। सिलाई यूनिट के अंतर्गत समूह की महिलाएं विभिन्न तरह के कपड़े सिलाई करने का कार्य कर रही हैं। रीपा से ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहे हैं।

ई-जनचौपाल में 70 आवेदन प्राप्त, निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश

कांकेर। जिले में प्रति सोमवार को ई-जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा नरहरपुर, चारामा, भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल, अंतागढ़ एवं पखांजूर जनपद कार्यालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या व शिकायत सुनी जा रही है तथा कांकेर विकासखण्ड के ग्रामीण कलेक्टर से प्रत्यक्ष मुलाकात कर अपनी समस्या व शिकायत से अवगत करा रहे हैं, जिसका त्वरित निराकरण भी किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने आज सोमवार को ई-जनचौपाल में 70 लोगों की समस्या सुनी तथा उसके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी
सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मदरसा बोर्ड द्वारा आयोजित हाईस्कूल हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा तथा उर्दू अदीब, उर्दू माहिर परीक्षाओं के नतीजे घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा तथा उर्दू अदीब, उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा 2023 के परिणाम आज घोषित कर दिया गया। अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड अलताफ अहमद ने परीक्षा परिणाम छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड कार्यालय में घोषित किया। उन्होंने परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हाईस्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा में 97.59 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा (कला संकाय)में 94.45 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी वाणिज्य संकाय में 88.89 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी विज्ञान संकाय में 96.15 प्रतिशत, उर्दू अदीब में 96.97 एवं उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा में 93.93 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

हाईस्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम में बालक 95.18 प्रतिशत तथा बालिका 100 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा कला संकाय में बालक 90.91 प्रतिशत तथा बालिका 100 प्रतिशत, विज्ञान संकाय में बालक 92.31 प्रतिशत तथा बालिका 100 प्रतिशत, वाणिज्य संकाय में बालक 77.78 प्रतिशत तथा बालिका 100 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। उर्दू अदीब प्रमाण-पत्र परीक्षा में बालक 100 प्रतिशत तथा बालिका 96.16 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसी प्रकार उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा में बालक 92.86 प्रतिशत तथा बालिका 95 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम परीक्षार्थीगण छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड की वेब साइट http://cgmbresult.cgmadarsaboard.in/page/result पर देख सकते हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के सचिव डॉ. आई. ए. अंसारी, सहायक संचालक पी.पी.द्विवेदी, प्रभारी रजिस्ट्रार अख़्तर ख़ान, कल्याण सिंह ठाकुर, पाशी अली, इस्माईल अहमद सहित छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में कटंग बांस के रोपण सहित बांस उद्योग को बढ़ावा देने विशेष पहल

किसानों को समृद्ध बनाने और पर्यावरण सुधार के उद्देश्य से

बांस रोपण पर वन विभाग का प्रस्तुतीकरण

लगभग दो लाख एकड़ में बांस के रोपण से होगी कार्ययोजना की शुरूआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ में कटंग बांस के रोपण सहित बांस उद्योग को बढ़ावा देने विशेष पहल हो रही है। इसके तहत वन विभाग द्वारा तैयार की जा रही कार्ययोजना अंतर्गत लगभग दो लाख एकड़ में कटंग बांस के रोपण से इसकी शुरूआत होगी।

मुख्यमंत्री बघेल की अध्यक्षता में उनके निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में वन विभाग द्वारा बांस रोपण और उपयोगिता के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि छत्तीसगढ़ में बांस रोपण और इसके उद्योग के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री श्री बघेल के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में बांस रोपण और इसके उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। यह कार्ययोजना किसानों को समृद्ध बनाने और मौसम परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करने सहित पर्यावरण सुधार में महत्वपूर्ण साबित होगी।

बैठक में वन विभाग द्वारा प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि बांस की खेती बहुत लाभदायक है। यह इमारती लकड़ी का एक बेहतर विकल्प भी है। मौजूदा समय में इसका व्यापक अंतर्राष्ट्रीय बाजार है और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। बांस उद्योग कई तरह के रोजगार सृजित करने में सहायक है। इसके रोपण पर प्राय: एक ही बार खर्चा होता है और मौसम की मार से बेअसर होता है, इसलिए इसमें नुकसान की गुंजाइश न के बराबर होता है। यह जल संरक्षण और मृदा संरक्षण के लिए विशेष लाभकारी है। बांस का रोपण पर्यावरण के लिए लाभकारी, हरियाली बढ़ाने और तापमान संतुलन करने में भी सहायक है।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर, संसदीय सचिव द्वय शिशुपाल सोरी एवं चंद्रदेव राय, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा और वन विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव तथा विभागीय अधिकारी आलोक तिवारी, दिलराज प्रभाकर, मयंक अग्रवाल तथा बांस उद्यमी देबोपम मुखर्जी आदि उपस्थित थे।

गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड कार्यालय का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने राजधानी रायपुर के गौतम नगर में छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड कार्यालय का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि केश शिल्प एक परामपरागत व्यवसाय के रूप में प्रचलित है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस व्यवसाय में संलग्न संवर्ग के समग्र विकास को सुनिश्चित करने, कल्याणकारी योजना बनाए जाने, केश शिल्प में नवीन तकनीक प्रणाली विकसित करने और शासन एवं संवर्ग के बीच समन्वय स्थापित किए जाने का निर्णय लिया है। केश शिल्प से जुड़े संवर्ग के हित के लिए सामाजिक-आर्थिक नीति तैयार किये जाने हेतु समाज कल्याण विभाग अन्तर्गत 'छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड' का गठन किया गया है। 'छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड' कार्यालय गुलाब नगर तीसरी गली, गौतम विहार, अमलीडीह रोड देवपुरी में स्थित है।

इस अवसर पर मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, केश शिल्पी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष नंद कुमार सेन, उपाध्यक्ष चित्रकांत श्रीवास, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष केशव बंटी हरमुख, जिला पंचायत मुंगेली की अध्यक्ष लेखनी सोनू चन्द्राकर, केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के सदस्य सर्वश्री विजय कुमार सेन, धनुष सेन, शीत श्रीवास, दिलीप लहरिया, सचिव व्ही के उके एवं सहायक अनुसंधान अधिकारी लक्ष्मी माला मेश्राम सहित बोर्ड के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी से जल्द मिलेगी राहतः मौसम विभाग

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी से हर कोई परेशान है। इस बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है।

मौसम विभाग का कहना है कि अब मानसून देशभर में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है, इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने के आसार है। मंगलवार 13 जून को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अंधड़ के साथ हल्की बारिश भी होगी। आने वाले दो दिनों में तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में लू के आसार बने हुए है।

हालांकि जून का पहला पखवाड़ा लगभग बीतने वाला है और इन 12 दिनों में छत्तीसगढ़ में गर्मी व उमस बढ़ते जा रही है। शाम को हो रही अंधड़ व हल्की बारिश से उमस में और बढ़ोतरी हो गई है। सोमवार को इस सीजन में पहली बार रायपुर का अधिकतम तापमान 44.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। दिन के साथ ही रात का अधिकतम तापमान भी 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया ,जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। इसी प्रकार प्रदेश में सक्ती सर्वाधिक गर्म रहा, एआरजी सक्ती का अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिनभर की तपिश व उमस के बाद सोमवार शाम से लोगों को थोड़ी राहत मिली शुरू हुई। शाम को भी कुछ स्थानों में तेज हवाओं के साथ वर्षा हुई।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का आठवां चरण 15 जून से राज्य स्तरीय कार्यशाला में अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

अभियान के लिए 23 जिलों में बनाई गई है 2854 टीमें

सभी जिलों में सघन कुष्ठ खोज अभियान भी होगा संचालित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का आठवां चरण 15 जून से शुरू होगा। इसके लिए 23 जिलों में 2854 टीमें गठित की गई हैं। प्रदेश के सभी जिलों में 15 जून से सघन कुष्ठ खोज अभियान भी संचालित किया जाएगा। राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित आज एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में इस संबंध में अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के नए संचालक जयप्रकाश मौर्य भी कार्यशाला में शामिल हुए।

कार्यशाला में विभिन्न जिलों के जिला मलेरिया अधिकारी, जिला कुष्ठ अधिकारी तथा जिला वीबीडी सलाहकारों को मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान-सह-सघन कुष्ठ अभियान के दौरान संचालित की जाने वाली मलेरिया व कुष्ठ नियंत्रण की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें कुष्ठ रोग की पहचान व उपचार के लिए दिशा-निर्देशों के पालन, ज़िला स्तर पर मितानिनों व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिए जाने वाले इन्सेन्टिव तथा वित्तीय प्रबंधन के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के दौरान वेक्टर नियंत्रण गतिविधि, आरडी किट के माध्यम से मलेरिया जांच व पूर्ण उपचार के लिए आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा दवा वितरण के पश्चात मरीज़ के फॉलो-अप के विषय मे जानकारी दी। मलेरिया रिपोर्टिंग के लिए प्रयुक्त सन्दर्भन पंजी की प्रविष्टि की जानकारी भी कार्यशाला में दी गई। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों को एलएलआईएन मच्छरदानी के उपयोग व रखरखाव के लिए जागरूक करने हेतु संदेश प्रेषित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी कार्यशाला में दिए गए।

स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक जयप्रकाश मौर्य ने कार्यशाला में कुष्ठ और मलेरिया उन्मूलन के लिए प्रदेश में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कुष्ठ के संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भौगोलिक व सांस्कृतिक दृष्टि से भिन्न है। इसलिए रोगों के रोकथाम, नियंत्रण, निदान व समुदाय को जागरूक करने के लिए दृष्टिकोण भी अलग होना चाहिए। उन्होंने रोगों के नियंत्रण व बचाव के लिए समुदाय आधारित कार्यक्रम चलाए जाने पर जोर दिया है। श्री मौर्य ने कहा कि सघन कुष्ठ खोज अभियान और मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि हर ज़िले का रोग नियंत्रण, पहचान, जांच व उपचार का दृष्टिकोण अलग हो। ऐसे जिले जहां मलेरिया के मामलों में लगातार कमी देखी गई हो, उन ज़िलो की केस-स्टडी की जाए जिससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा चलाए जा रहे गहन अभियान का मूल उद्देश्य संभावित या संदिग्ध रोगियों की पहचान करने के साथ उनका समय पर इलाज करना है। समुदाय की भागीदारी से इन अभियानों की सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा ने कार्यशाला में बताया कि मलेरिया मुक्त प्रदेश बनाने की दिशा में इससे पूर्व और भी अभियान चलाए जा चुके हैं। उन्होंने प्रदेश में मलेरिया के मामलों में गिरावट के लिए मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले हेल्थ-वर्कर्स की सराहना की। उन्होंने बताया कि मलेरिया के मामलों में कमी लाना, महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं में एनीमिया दूर करना, नवजातों व पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के कुपोषण में कमी तथा शिशु व मातृ मृत्यु दर में कमी लाना मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

राज्य सरकार खरीदती है किसानों का धान ऋण लेकर करती है भुगतानः मोहम्मद अकबर

केन्द्र सरकार धान खरीदी के लिए नहीं देती कोई अनुदान, सहायता या ऋण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि धान खरीदी राज्य सरकार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के पंजीकृत किसानों से धान खरीदी करती है और बैंको से ऋण लेकर भुगतान करती है। केन्द्र सरकार द्वारा धान खरीदी के लिए कोई अनुदान, सहायता अथवा ऋण नहीं दी जाती। धान खरीदी का एक सिस्टम है, राज्य सरकार किसानों से धान खरीदी करती है फिर कस्टम मिलिंग के बाद सेन्ट्रल पूल में चावल जमा किया जाता है। उसके बाद केन्द्र सरकार द्वारा जमा चावल के एवज में निर्धारित दर पर भुगतान किया जाता है। वर्ष 2023-24 में 125 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान है। उन्होंने बताया कि किसानों से अब तक 15 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी की जा रही थी, जिसे राज्य सरकार ने बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने का निर्णय लिया है।

मंत्री अकबर ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बारे में बताया कि धान खरीदी राज्य सरकार की सबसे बड़ी योजना है। धान खरीदी के लिए राज्य सरकार प्रतिवर्ष 20 से 25 हजार करोड़ रुपए का ऋण लेती है। यह ऋण छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के माध्यम से बैंको एवं नाबार्ड इत्यादि से लिया जाता है। धान खरीदी के लिए केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार को कोई सहायता नहीं दी जाती और न ही कोई अनुदान या ऋण दिया जाता है। बैंकों एवं नाबार्ड से ऋण राज्य सरकार की गारंटी पर दिया जाता है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जहां हमारी सरकार बनने के बाद से किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीद के साथ ही प्रतिपूर्ति के रूप में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत् अतिरिक्त राशि प्रदान की जाती है। इस तरह किसानों को धान की कीमत 2500 रूपये प्रति क्विंटल मिल रही है। धान खरीदी के बारे में राज्य सरकार की ओर से जानकारी देते हुए मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि राज्य सरकार की नीति और फैसलों से छत्तीसगढ़ के किसानों का जीवन खुशहाल हो रहा है। हमने किसानों को 2500 रुपए प्रति क्विंटल धान का मूल्य देने का जो वादा किया था, उसे निभाकर अपने वायदे के अनुरूप किसानों को राज्य सरकार राशि प्रदान कर रही है। सहकारी समितियों में धान बेचने वाले किसानों को समर्थन मूल्य के अलावा 9000 रुपए प्रति एकड़ की दर से 04 किस्तों में प्रदान किया जा रहा है। किसानों को प्रथम किस्त के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई, उनकी जयंती 20 अगस्त पर द्वितीय किस्त तथा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 01 नवंबर को तृतीय किस्त और वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तिथि 31 मार्च को किसानों को किसान न्याय योजना की चतुर्थ किस्त की राशि प्रदान की जाती है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

जिम मत जाइये! घर पर ही आराम से करें ये एरोबिक एक्सरसाइज

शरीर फिट रखने के लिए सिर्फ वर्कआउट ही काफी नहीं! अगर आपको पता ही न हो कि आपके लिए कौनसी एक्सरसाइज सही है और कौनसी गलत... तो सब बेकार है। दरअसल अलग-अलग एक्सरसाइज के अलग-अलग फायदें हैं, इसलिए आज हम बताएंगे कुछ एरोबिक एक्सरसाइज के बारे में जो न सिर्फ आपको शारीरिक तौर पर मजबूती देगी, बल्कि मानसिक रूप से भी हेल्दी रखेगी। ऐसे में अगर अगर आप तलाश में हैं एक ऐसी एक्सरसाइज की, जो आपका वजन घटाने के साथ-साथ आपके दिल को भी स्वस्थ रखेगी, तो आपके लिए परफेक्ट है एरोबिक एक्सरसाइज। तो चलिए जानते हैं एरोबिक एक्सरसाइज के तमाम फायदें, जिसके आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं...

क्या है एरोबिक एक्सरसाइज के फायदे

डेली एरोबिक एक्सरसाइज करना हमारे शरीर में अधिक मात्रा में कैलीरी बर्न करने में मदद करेगा। साथ ही इसस हमारे मांसपेशियों को भी मजबूती मिलेगी। डेली एरोबिक एक्सरसाइज शरीर में बढ़ाएगी और दिल को मजबूत रखेगी। इससे आपको दिल से जुड़ी बीमारियों से काफी हद तक छुटकारा मिल सकेगा। बता दें कि डांस करना भी एरोबिक एक्सरसाइज का ही एक हिस्सा है, ऐसे में आप अपना मनपसंद म्यूजिक के सुनते हिप-हॉप डांस भी इंजॉय कर सकते हैं।

कौनसी है एरोबिक एक्सरसाइज

साइकिल चलाना:- एरोबिक एक्सरसाइज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है साइक्लिंग करना, रोजाना साइक्लिंग आपके कूल्हों, घुटनों, पीठ या टखनों पर बिना किसी अतिरिक्त प्रेशर इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, जिससे हमारी इम्युनिटी में इजाफा होता है। वहीं साइक्लिंग करने से हमारी हार्ट भी हेल्दी रहता है।

स्वीमिंग:- एरोबिक एक्सरसाइज के लिए आप स्वीमिंग भी कर सकते हैं। ये भी एक बेहतरीन एरोबिक गतिविधि है. स्वीमिंग करना न सिर्फ दिमाग को फिट बनाता है, बल्कि ये हमारे दिल के लिए भी काफी अच्छा है। स्वीमिंग करने से हमारा रक्त अधिक कुशलता से पंप होता है, साथ ही इससे मस्तिष्क भी सेहतमंद रहता है।

रनिंग:- रनिंग एक बेहतरीन एरोबिक एक्सरसाइज है, क्या और कैसे करना है ये तो हम सभी जानते हैं, लिहाजा हम इसके फायदों को समझते हैं। एरोबिक एक्सरसाइज से हम कई ज्यादा मात्रा में कैलोरी बर्न कर सकते है। विशेषज्ञों के मानें तो जिन जाने के बजाए अगर आप डेली रनिंग करें, तो ये एक बेहतक विकल्प साबित हो सकता है। साथ ही इस तरह की एरोबिक एक्सरसाइज के दौरान आपके शरीर में ताजी हवा जाएगी, जो कापी लाभकारी है।

मोटापे की वजह से बढ़ रहे डायबिटीज समेत इन बीमारियों के मरीज

मोटापा हो या डायबिटीज, हाई बीपी हो या दिल की बीमारी। इन सभी के पीछे हमारा गलत लाइफस्टाइल एक बहुत बड़ी वजह बनता जा रहा है। गलत जीवनशैली और खान पान की लापरवाही के चलते कई तरह गंभीर बीमारियों के खतरे तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में लांसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक स्टडी की रिपोर्ट इस बारे में कई आंकड़े पेश करती है। इस राष्ट्रव्यापी शोध के अनुसार हमारे देश के कुल 11.4 फीसदी लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं और दूसरी तरफ देश भर की 35.5 आबादी हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप जिसे हाई बीपी भी कहते हैं, इससे ग्रसित हो चुकी है।

तेजी से बढ़ रहा है मोटापा

आपको बता दें कि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर और अन्य गैर सरकारी मेडिकल संस्थानों के सहयोग से मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन ने इस अध्ययन को कराया। इसमें पाया गया है कि भारत में मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है और अब ये आंकड़ा देश भर का कुल 28.6 फीसदी हो चुका है। जैसा कि हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं मोटापा यानी ज्यादा वजन डाइबिटीज और हाइपरटेंशन दोनों का ही मुख्य कारण माना जाता रहा है। मेडिकल विशेषज्ञों ने इस बात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अगर ऐसा ही रहा और सही प्रबंधन नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में शुगर और दिल संबंधी बीमारियों का बोझ देश पर काफी तेजी से बढ़ सकता है।

नॉन कम्यूनिकेबल बीमारियों का बढ़ा जोखिम

इस अध्ययन में कहा गया है कि 2008 से 2020 तक देश के 31 राज्यों में ये सर्वे किया गया। इस सर्वे में 1.1 लाख लोगों को शामिल किया गया। इस सर्वे का निष्कर्ष कहता है कि देश में नॉन कम्यूनिकेबल रोगों का जोखिम तेजी से बढ़ा है. एनसीडी की बात करें तो इस श्रेणी में ऐसे रोग आते हैं जो इंफेक्शन, बैक्टीरिया या अन्य किसी माध्यन से फैलते नहीं है।

15.3 फीसदी लोग हैं प्री डायबेटिक

इन रोगों में डायबिटीज और हाइपरटेंशन सबसे प्रमुख रोग कहे गए हैं। पूरी दुनिया में तो ये दोनों रोग तेजी से फैल ही रहे हैं। भारत में भी इनकी रफ्तार काफी तेज है। लासेंट सर्वे के अनुसार देश के 15.3 फीसदी लोगों को प्री-डायबिटीज है। सामान्य भाषा में कहें तो ये लोग ये लोग डाइबिटीज के प्रोन मरीज है यानी इन लोगों को भविष्य में जल्दी डायबिटीज हो सकता है।

वजन घटाते ही लगी वामिका गब्बी की लॉटरी

अभिनेत्री वामिका गब्बी कहती हैं, मेरे लिए वजन बढ़ाना बहुत आसान था। जब मैं पंजाब से पंजाबी फिल्मों की शूटिंग करके मुंबई आई, तो उस समय मेरा वजन बहुत कम था। जुबली की कहानी 40 और 50 के दशक की थी, तो मुझे उस हिसाब से अपना वजन बढ़ाना पड़ा। लेकिन जब वजन कम करने की बारी आई तो मेरे लिए बहुत चुनौती थी क्योंकि मैं भूखे नहीं रह सकती थी।

जैसा कि आमतौर पर लोग वजन कम करने के लिए सब कुछ खाना छोड़ देते हैं। यह मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था, पर मुझे इतनी अच्छी फिटनेस की टीम मिल गई कि खाने पीने पर ज्यादा पाबंदी नहीं थी। जो मन में आता था सब खाती पीती थी। इन दिनों अभिनेत्री वामिका गब्बी, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही वेब सीरीज चार्ली चोपड़ा एंड मिस्ट्री ऑफ सोलांग वैली में काम कर रही हैं। इस सीरीज के एक शेड्यूल की शूटिंग मनाली में हो चुकी है और इन दिनों इस सीरीज की शूटिंग मुंबई में चल रही हैं। विशाल भारद्वाज के साथ काम करके उत्साहित वामिका गब्बी कहती हैं, विशाल सर के साथ यह मेरा चौथा प्रोजेक्ट है।

इससे पहले मैं उनके साथ फिल्म खुफिया में काम कर चुकी हूं जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म में तब्बू के साथ काम करने का बहुत ही शानदार अनुभव रहा है। मैंने विशाल भारद्वाज सर के साथ एक और सीरीज मॉर्डन लव मुंबई में काम किया था, इस सीरीज के एक कहानी मुंबई ड्रैगन का निर्देशन विशाल सर ने किया था। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसके अलावा विशाल सर के साथ एक 30 मिनट की शार्ट फिल्म फुरसत की थी, जो एप्पल टीवी पर रिलीज हुई थी। विशाल सर के साथ काम करने का हमेशा से ही शानदार अनुभव रहा है।

ऑफ शोल्डर गाउन में रकुल प्रीत का दिखा खूबसूरत अंदाज, हॉट लुक्स ने मचाया हंगामा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर के फैंस के बीच धमाल मचा दिया है। बी-टाउन की जानी-मानी एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने अपने स्टाइलिश लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हाल ही में रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉटनेस देखकर यूजर्स का दिल तेजी से धड़कने लगा है। रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इन तस्वीरों में व्हाइट कलर का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों में किलर लुक्स में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी ये हॉट अदाएं देख लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। कानों में सिल्वर इयररिंग्स, बालों को खुले छोड़कर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बताते चले कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने साल 2009 से एक्टिंग की दुनिया में फिल्म गिल्ली से डेब्यू किया था।

आदिपुरुष के लिए रणबीर कपूर ने बढ़ाया शानदार कदम, वंचित बच्चों के लिए बुक करेंगे 10,000 टिकट

प्रभास की आदिपुरुष रिलीज के काफी करीब है। अब खबर है कि अभिनेता रणबीर कपूर ने रामायण आधारित इस फिल्म को अपना समर्थन देने के लिए एक शानदार कदम बढ़ाया है। दरअसल, रणबीर आदिपुरुष के 10,000 टिकट वंचित बच्चों के लिए बुक करने वाले हैं। अभिनेता को उम्मीद है कि आज की पीढ़ी के बच्चे श्रीराम की कहानी से कुछ नया सीखें। भूषण कुमार द्वारा निर्मित और ओम राउत द्वारा निर्देशित आदिपुरुष 16 जून को रिलीज होगी। आदिपुरुष में प्रभास के अलावा कृति सैनन, देवदत्त नाग, सैफ अली खान और सनी सिंह भी मुख्य भूमिका में है। 13 जून को इसका न्यूयॉर्क के ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होगा। फिल्म आदिपुरुष को हिंदी समेत तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 600 करोड़ रुपये की लागत में बनी है। आदिपुरुष को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने यू सर्टिफिकेट द्वारा पास कर दिया है। यह फिल्म 2 घंटे 59 मिनट की होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

खाद्य मंत्री भगत ने 100 से अधिक हितग्राहियों को दी 14.55 लाख रूपए की सहायता राशि

रायपुर। खाद्य और संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने सीतापुर और बतौली विकासखंड के 100 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत् 14 लाख 55 हजार रूपए की सहायता राशि वितरित की। उन्होंने बंशीपुर - राताखांड होते हुए दमगड़ा मुख्य मार्ग से अंदरूनी गांव के लिए लगभग 8 किमी लंबाई की सड़क एवं पुल-पुलिया की स्वीकृति प्रदान करते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री भगत ने असंगठित कर्मकार दिव्यांग सहायता योजना अंतर्गत जिन हितग्राहियों को चेक वितरित की उनमें शांति दास को एक लाख रुपए, घरेलू महिला कामगार योजना अंतर्गत 16 हितग्राहियों को 3 लाख 20 हज़ार रुपए, स्वेच्छा अनुदान से 52 हितग्राहियो को 4 लाख 90 हज़ार रुपए शामिल हैं। इसी प्रकार श्री भगत ने सीतापुर के हितग्राहियों को श्रम विभाग के अंतर्गत दिव्यांग सहायता योजना की हितग्राही पिंकी को 1 लाख रुपए, घरेलू कामगार योजना और प्रसूति सहायता योजना के अंतर्गत 16 पात्र हितग्राहियों को 3 लाख 20 हज़ार रुपए, इस दौरान श्री भगत ने स्वेच्छानुदान से 20 हितग्राहियों को 1 लाख 25 हज़ार का सहायता राशि जरूरतमंदो को प्रदान की।

राज्य के कुछ जिलों में लू चलने की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने राज्य के कुछ जिलों में एक बार फिर से आज व कल हीट वेव चलने का अलर्ट जारी कर दिया है। यही नहीं बस्तर संभाग के एक-दो स्थानों पर भी लू का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट की माने तो अगले चौबीस घंटों के दौरान बस्तर जिले के एक-दो स्थानों पर लूट चल सकती है। इसी तरह प्रदेश के जांजगीर-चांपा, रायगढ़, मुंगेली और बलौदाबाजार सहित रायपुर जिले में एक-दो स्थानों पर आगामी 48 घंटों के दौरान हीट वेव कंडीशन बनने यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 13 जून से प्रदेश में कहीं-कहीं पर तेज आंधी चलने इसकी गति 30 से 40 किमी प्रति घंटा रहने की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा वज्रपात होने तथा तेज बौछारें पड़ने के आसार जताया गया है। दूसरी ओर दक्षिण पश्चिम मानसून आगे बढ़कर अरब सागर के कुछ और हिस्सों में सक्रिय हो गया है। इसके अलावा मानसून कर्नाटका, गोवा, कोंकण के कुछ और भागों के साथ ही तमिलनाडू और पुडूचेरी तक पहुंच गया है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश के कुछ भागों के साथ ही बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पूर्व दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश में बस्तर के रास्ते मानसून के प्रवेश करने तथा आगामी कुछ दिनों में प्री-मानसून की बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान जारी किया है। इधर आज राजधानी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 40 डिग्री के आासपास बने रहने की उम्मीद है। इसके अलावा शाम-रात तक मौसम के मिजाज में फिर से बदलाव के आसार जताया गया है।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने सुनी जन सामान्य की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

रायगढ़। कलेक्टर कक्ष में आयोजित जन चौपाल में आज कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जिले के विभिन्न विकासखंड से आए जन सामान्य की समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौंके पर उपस्थित अधिकारियों को सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। आयोजित जन चौपाल में माल धक्का रोड़, विश्वासगढ़ चर्च के प्रार्थियों द्वारा मुख्य डॉकघर ऑफिस एजेंट द्वारा खाते में जमा करवाने दिए रकम में हेरा-फेरी की शिकायत आवेदन लेकर जन चौपाल में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पोस्ट ऑफिस एजेंट के माध्यम से पोस्ट ऑफिस में खाता खुलवाकर एजेंट के माध्यम से पैसे जमा करवाने के लिए दिए जाते थे। परंतु एजेंट द्वारा राशि खाता में जमा न कर गबन कर लिया गया है। उन्होंने कलेक्टर श्री सिन्हा से पोस्ट ऑफिस एजेंट पर उचित कार्यवाही करने का निवेदन किया। कलेक्टर श्री सिन्हा ने आवेदन की जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तहसील तमनार के ग्राम सामारूमा निवासी मोती लाल चौहान अधूरा कार्य पूर्ण कराने के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे थे, उन्होंने बताया कि तहसील तमनार हल्का नंबर 10 ग्राम सामारूमा में नक्शा खसरा, सीमांकन, फसल क्षति जैसे विभिन्न कार्य अधूरे पड़े है, उन्होंने हल्का पटवारी से सभी कार्य को पूर्ण करवाने का आग्रह किया।

सड़क दुर्घटनाएं की रोकथाम के लिए उठाए जाए प्रभावी कदम

सड़क दुर्घटनाएं की रोकथाम के लिए उठाए जाए प्रभावी कदमः मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा है कि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी जरूरी प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने सड़क दुर्घटना की रोकथाम सहित सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। परिवहन मंत्री ने राज्य के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों सहित अन्य सड़कों पर चिन्हित किए गए ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय पर तेजी से कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है।

इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों से ब्लैक स्पॉट पर की गई कार्यवाही की विस्तार से जानकारी अधिकारियों से ली एवं ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्यों में विलंब होने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों को इस पर तेजी से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। परिवहन मंत्री ने दुर्घटना के शिकार लोगों के लिए तुरंत उपचार व्यवस्था। राज्य की विभिन्न जिलों में ट्रामा सेंटर की स्थिति, यातायात के नियमों पर उलंघन पर चालान की कार्यवाही और यातायात के नियमों के पालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को विस्तार से दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वाहनों की जांच और तेज गति को नियंत्रित करने के लिए स्पीड गर्वनर लगाने की दिशा में कार्यवाही करने तथा नशापान और सड़क पर स्टंट करके वाहन चलाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। श्री अकबर ने जिला सड़क सुरक्षा समितियों की बैठक नियमित रूप से करने पर विशेष जोर दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में उपस्थित छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष एवं विधायक श्री कुलदीप जुनेजा ने भी राष्ट्रीय राजमार्गों सहित अन्य सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अपने सुझाव रखे। इसी तरह से छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार गृह निगम के अध्यक्ष एवं विधायक श्री अरूण वोरा ने दुर्ग जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा करते हुए वहां पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए समुचित कार्यवाही करने कहा। बैठक में उपस्थित संसदीय सचिव एवं विधायक श्री चंद्रदेव प्रसाद राय ने भी सड़क सुरक्षा से संबंधित एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में परिवहन विभाग के सचिव श्री एस.प्रकाश ने सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी रखी और परिवहन मंत्री एवं विधायकों का स्वागत किया। बैठक में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा के अध्यक्ष श्री संजय शर्मा ने बताया कि पिछली बैठकों में परिवहन मंत्री द्वारा किए गए दिशा-निर्देशों के परिपालन में त्वरित कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया क ब्लैक स्पॉट सुधार के 73, जंक्शन सुधार के 197, बस ले वॉय के 5 कार्य पूर्ण कर लिए गए है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए जन-जागरूकता और सड़क दुर्घटना नियंत्रण के उपाय लगातार किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि जन-जागरूकता कार्यक्रम के तहत करीब 3 हजार 882 कार्यक्रम का आयोजन राज्य के विभिन्न स्थानों पर किए गए इन कार्यक्रमों में लगभग 15 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसी तरह से सड़क दुर्घटना नियंत्रण हेतु उपकरणों की प्रबंध प्रक्रिया की प्रगति जारी है।

उन्होंने बताया कि आईआरएडी के तहत राज्य शासन के करीब 29506 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इसी तरह से प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में 3 लाख 72 हजार 406 एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाए गए हैं। इसी प्रकार शिक्षा विभाग द्वारा यातायात शिक्षा एवं जन-जागरूकता के कार्यक्रम के तहत एनसीसी एवं एनएसएस और भारत स्काउड गाईड के कैम्पों के माध्यम से शाला सुरक्षा संबंधि प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा की जानकारी 3 लाख शिक्षकों/विद्यार्थियों को दी गई है।

राष्ट्रीय टीम ने किया सरईगहना हेल्थ वेलनेस सेंटर का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में राष्ट्रीय टीम ने उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया, यहां आकर हेल्थ वेलनेस सेंटर के 12 विभागों की जांच की गई। कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में कोरिया जिले के सीएचएमओ डॉ. आर.एस.सेंगर और डीपीएम डॉ. प्रिंस जायसवाल ने बताया कि, नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड्स एनक्यूएएस की दो सदस्यीय टीम में जिसमें डॉ. प्रशांत, महाराष्ट और सुश्री सोनम, मध्य प्रदेश से आए थे। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों एनक्यूएएस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। ताकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्य केंद्र को पहचाना जा सके और समुदाय के सार्वजनिक अस्पतालों की विश्वसनीयता में सुधार हो सके। इसके तहत एनक्यूएएस टीम के द्वारा सरईगहना के उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। मूल्यांकन के दौरान जिला और ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग ने सीएचसी, पीएचसी व नागरिक अस्पताल के साथ अब हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर भी नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस के तहत कार्य शुरू कर दिया है। कोरिया जिले के जिला मुख्यालय बैकुन्ठपुर के सरईगहना गांव के हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को इसके लिए चयनित किया गया था। यह स्टेट टीम से असेसमेंट करवाई है। इसके साथ नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस के तहत चयनित किया है। इन जगह पर स्टेट टीम इसी महीने में असेसमेंट किया। ताकि पता चल सके कि यहां राष्ट्रीय मानकों के तहत मरीजों को उपचार मिल रहा है या नहीं। जिले के अंदर 88 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को अपग्रेड किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इनसे सीधा लाभ मिल रहा है। अब नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस से इनकी असेसमेंट होने के बाद मरीजों को गुणवत्ता पूर्वक इलाज मिलेगा। स्वास्थ्य केन्द्र में 6 प्रमुख विभागों ओपीडी, आइपीडी, प्रयोगशाला, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं सामान्य प्रशासन के निर्धारित मापदंडों पर आंकलन होता है।

अपेक्स बैंक अध्यक्ष ने किया जशपुर अपेक्स बैंक शाखा भवन का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर के मुख्य आतिथ्य तथा उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ रविन्द्र सिंह भाटिया के विशिष्ट आतिथ्य में जशपुर अपेक्स बैंक शाखा भवन का भूमिपूजन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन केअपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का सहकारी समितियों तथा सहकारी बैंकों पर बहुत भरोसा है। राज्य सरकार ने वादा निभाते हुए किसानों का कृषि ऋण माफ किये। किसानों से 2500 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदी किये।

वर्ष 2022-23 में रिकार्ड मात्रा 107 लाख मेट्रिक टन धान खरीदी किया गया। किसानों, गौपालकों, भूमिहीन खेतीहर मजदूरों, आदिवासियो के साथ न्याय हो सके इसके लिए राजीव गांधी न्याय योजना लागू किया गया।छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहली बार भूपेश सरकार द्वारा समितियो का पुनर्गठन कर 725 नवीन समितियां बनाई गई। जिसके लिए गोदाम सह कार्यालय निर्माण के लिए राशि स्वीकृति की गई। इन समितियों के नव नियुक्त अध्यक्षगणो को अपेक्स बैंक के प्रशिक्षण संस्थान द्वारा लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सहकारी समितियों के माध्यम से राजीव गांधी किसान न्याय योजना तथा गोधन न्याय की राशि का भुगतान किसानों के खाते में नियमित रूप से अंतरण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की धान उपार्जन की नीतियो के बेहतर व प्रभावी क्रियान्वयन से समितियां में इस साल जीरो शार्टेज में आई। न्याय योजना के तहत किसानों को खरीफ फसल के लिए राशि रुपये 9000 कृषि अनुदान सहायता दी जा रही है । इन व्यवहारिक नीतियों से छत्तीसगढ़ के गाँव, गरीब और किसान समृद्ध हुआ। सोसाइटियां मजबूत हुई। गोठानो में विविध प्रकार के रोजगार मूलक मल्टीयूटीलिटी सेंटर के रूप में कार्य किये जा रहे है। इससे ग्रामीण महिलाएँ आत्म निर्भर हो रही है। भूमिपूजन समारोह में अपेक्स बैंक डीजीएम भूपेश चंद्रवंशी, प्रबंधक अभिषेक तिवारी शाखा प्रबंधक जशपुर रामकुमार यादव, शाखा प्रबंधक कुनकुरी ए किंडो, मुख्य पर्यवेक्षक व नोडल अधिकारी ए के आजाद, लेखा अधिकारी प्रभाकर कांत यादव तथा बड़ी संख्या में सहकारी समिति के अध्यक्षगण तथा किसान मौजूद रहे।

बांस हस्त शिल्प निर्माण से नरसिंगपुर रीपा बन रहा आजीविका का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर गांवों में ही रोजगार के बहुआयामी केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से गांवों में रीपा की शुरुआत की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना रीपा के अंतर्गत सभी जिलों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण किया गया है।

जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों के चयनित गौठानों को आजीविका केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत रीपा गौठान नरसिंगपुर में जहां गोबर खरीदी और वर्मी कम्पोस्ट जैसे दोहरे लाभ वाली गोधन न्याय योजना संचालित है, वहीं महिलाएं कृषि और गैर कृषि आधारित आय मूलक कार्य कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि नरसिंगपुर के लोगों के हुनर एवं स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका मूलक गतिविधियों के रूप में बांस हस्त शिल्प निर्माण इकाई की स्थापना की गई है। नरसिंगपुर गांव में 13 से 14 परिवार के लोग पारधी कंडरा समुदाय से है, जिनका पुस्तैनी व्यवसाय दैनिक जीवन मे उपयोग होने वाले बांस से बने वस्तुओं जैसे सुपा, टुकना-टुकनी, सुपेली चाप, बीज बौनी पर्रा, बिजना, हाथ खांडा झाड़ू, मछली थापने के लिए थापा, मुर्गी और मछली रखने का पात्र चोरिया, झारा इत्यादि सामग्री का निर्माण करते हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण कवाची ने बताया कि इन परिवार के महिला सदस्यों को समूह बना कर गोधन न्याय योजना से जोड़ा गया है। रीपा गौठान नरसिंगपुर में शासन द्वारा बांस हस्त शिल्प इकाई का भी निर्माण किया गया है, ताकि गांव के बम्बू क्राप्ट व्यवसाय से जुड़े लोगों को गांव में ही रोजगार व उनके द्वारा बांस से निर्मित वस्तुओं के बिक्री के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

समूह का संचालन करने वाली बिहान संस्था के ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर केतन चौहान ने बताया कि बांस हस्त शिल्प कार्य से जुड़े पारधी समुदाय के महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी गोविंदपुर कांकेर द्वारा समय-समय पर नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है। परंपरागत बांस शिल्प कला के अलावा उनके हुनर को निखारने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। जिसके अंतर्गत हस्त शिल्पियों को बाजार की मांग के अनुरूप बांस से निर्मित होने वाली विभिन्न प्रकार की घरेलू सामग्रियां जैसे बस्तर आर्ट, बांस से बनी सजावटी सामान जैसे बैलगाड़ी, बांस से निर्मित फर्नीचर, टेबल कुर्सी, सजावट की वस्तुएं, फूलदान गुलदस्ते कप एवं चाय ट्रे, सौंप-सुपाड़ी रखने का बॉक्स, मोबाइल स्टैंड, पानी की बोतल और बांस से बनी महिलाओं के लिए चूड़ी हैंगर, हैंड बैग, क्लेचर, पर्स, चूड़ी स्टैंड और बांस से बनाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

रीपा गौठान नरसिंगपुर के पारधी स्व-सहायता समूह की सदस्य सूरज बत्ती, शिवकुमारी, मनीता ने बताया कि बांस से बनी सामग्रियों का मांग ज्यादा है।

शहीद वीर नारायण सिंह गरीबों के मसीहा और सच्चे देशभक्त थेः मंत्री लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने आज बालोद जिले के विकासखण्ड मुख्यालय गुरूर में शहीद वीरनारायण सिंह की प्रतिमा का लोकार्पण किया और आदिवासी सामाजिक भवन का भूमिपूजन किया। मंत्री श्री लखमा ने कहा कि शहीद वीरनारायण सिंह का राष्ट्र तथा समाज के प्रति योगदान अतुलनीय है। वे गरीबों के मसीहा थे और एक सच्चे देशभक्त थे। शहीद वीरनारायण सिंह में अदम्य वीरता तथा राष्ट्र भक्ति कूट-कूट कर भरी थी, उनकी प्रजा वात्सल्य अपने आप में अद्भूत एवं बेमिसाल थी। उन्होंने कहा कि नारायण सिंह छत्तीसगढ़ के सच्चे स्वाधीनता संग्राम सेनानी होने के साथ-साथ जनता के हितैषी एवं परोपकारी शासक थे।

मंत्री श्री लखमा ने विकासखंड मुख्यालय गुरुर में शहीद वीरनारायण सिंह के आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण कर 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाली आदिवासी सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा अनुरूप आज सामाजिक भवन का भूमिपूजन किया जा रहा है, जिसका लाभ गुरुर एवं अंचल के समाज के लोगों को मिलेगा।

इस अवसर पर संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, गोंडवाना समाज की तहसील अध्यक्ष श्रीमती उत्तरा मरकाम, जनपद अध्यक्ष गुरुर प्रभात धुर्वे सहित अन्य गणमान्य नागरिक और सामाजिक पदाधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने वेयर हाउस में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सूरजपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने आज सुबह 9.00 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्थित ईवीएम व्ही.व्ही. पैट वेयर हाउस में चल रहे ईवीएम मशीनों का प्रथम स्तरीय जांच का निरीक्षण किया। विदित हो कि 10 जून 2023 शनिवार से एफएलसी चालू है जो 27 जून 2023 तक चलना है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पारदर्शिता अपनाते हुए सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की उपस्थिति में प्रथम स्तरीय जांच ईवीएम मशीनों का किया जा रहा है। चुनाव के कार्य में लगे सभी व्यक्तियों को पारदर्षी एवं दिये साथ ही एफएलसी से जुड़े सभी मास्टर ट्रेनर और अधिकारी को निर्देषित किया गया कि वे ईवीएम के संबंध में समस्त जानकारी प्राप्त करें। अगली चरण में प्रषिक्षण की प्रक्रिया चालू होनी है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

आइसक्रीम खिलाने के बहाने बदमाशों ने नाबालिग से किया गैंगरेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में 16 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। शादी समारोह में पहुंची नाबालिग को तीन युवकों ने पहले आइसक्रीम खिलाने का झांसा दिया और उसे साथ ले गए। सुनसान जगह पर तीनों से उससे दुष्कर्म किया और भाग गए।

नाबालिग किसी तरह अपने घर पहुंची और अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस तक पहुंची। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ले इस मामले में तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

यह पूरा मामला जिले के कुसमी थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार घटना 7 जून की है। गांव में शादी हो रही थी और इस शादी में शामिल होने नाबलिग भी पहुंची थी। शादी में विनोद एक्का, संदीप तिर्की और चंद्रप्रकाश मिंज नाम के युवक भी पहुंचे थे। संदीप की नाबालिग से पुरानी पहचान थी तो उसने उसे आइसक्रीम का ऑफर दिया। इसके बाद वह अपने दोनों साथियों के साथ नाबलिग को आइसक्रीम खिलाने ले गया।

शादी समारोह से तीनों नाबालिग कदमटोली ले गए और यहां पर तीनों से शराब पी। यह देख नाबालिग ने घर जाने की जिद की। इसके बाद तीनों नाबालिग को सुनसान जगह ले गए और विरोध करने पर उससे मारपीट भी की। रात करीब 9 बजे तीनों नाबालिग से दुष्कर्म करते रहे। इसके बाद उसे वहीं छोड़कर भाग गए। इसके बाद नाबालिग घर पहुंची और सारी बात बताई। परिजनों ने दूसरे दिन थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस जब आरोपियों को पकड़ने पहुची तो सभी फरार हो गए था। इसके बाद लगातार आरोपियों को ट्रेस करती रही। दो आरोपियों को झारखंड सीमा से लगे ग्राम जैरागी के पास जंगल से पकड़ा और एक आरोपी को अंबिकापुर से गिरफ्तार किया गया।

नल जल योजना के नाम पर युवती से ठगी

मजदूरों की सप्लाई के लिए लिंक भेजा और खाते से पार कर दिए रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में खाद्यान्न विभाग में काम करने वाली एक युवती नल जल योजना के नाम पर ठगी का शिकार हो गई। योजना तहत मजदूरों के रहने व खाने के इंतजाम करने और उसके खाते में रुपए भेजने की बात कहकर एक लिंक भेजा। युवती ने जैसे ही लिंक को क्लिक किया उसके खाते से 1.81 लाख रुपए पार हो गए। जैसे ही युवती पैसे कटने की जानकारी हुई वह थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। यह मामला दरभा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पखनार पाइकापारा में रहने वाली चुगती ठाकुर खाद्यान्न विभाग में काम करती है और गांव में ही पदस्थ है। 26 मई को युवती को कॉल आया कि गांव में नल जल योजना के तहत मजदूर आकर काम करेंगे। उनके रहने के साथ ही खाने की व्यवस्था करनी है, इसके लिए ठेकेदार आपके खाते में पैसे भेजेगा। आप का खाता नंबर चाहिए। युवती ने ठग के बताए अनुसार, अपने खाते में जमा पैसे की जानकारी दे दी।

ठगों ने युवती को एक लिंक भी शेयर किया, जिसमें उसे 99 हजार भेजे जाने का एक डिटेल दिखाई दिया। युवती को ठगों ने बताया की जिस नंबर से आप को जानकारी भेजी गई है, उसी से पैसे भेजे जाएंगे। उसकी जानकारी गांव के सचिव को भेजी जाएगी। युवती ने लिंक पर क्लिक करते हुए प्रोसेस किया। इसके बाद युवती के खाते से तीन बार में रुपये निकल गए। इसके बाद युवती ने इसकी जानकारी अपने उच्च अधिकारी को दी। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल मामले में अपराध दर्ज कर ठगों का पता लगाया जा रहा है।

खास-खबर

नशे के सौदागार गिरफ्तार, 27 हजार की ब्राउन शुगर बरामद

रायपुर (ए)। नशे के खिलाफ रायपुर पुलिस की कार्रवाई जोरों पर है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना तेलीबांधा पुलिस की टीम ने दो नशे के सौदागरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद कर जब्त किया है। जब्त ब्राउन शुगर की कीमत लगभग 27 हजार रुपए है। आरोपियों के खिलाफ तेलीबांधा थाने में नारकोटिक्स एक्ट का अपराध दर्ज किया गया है।

दरअसल 11 जून को सूचना मिली कि थाना तेलीबांधा क्षेत्रांतर्गत होटल कोटयार्ड मेरियेट के बाजू वाली गली में दो युवक ब्राउन शुगर बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबीर के बताये हुलिये के युवकों को चिन्हांकित कर पकड़ा। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम दीपेश चन्द्राकर एवं सूर्यप्रकाश शाही निवासी रायपुर बताया। दोनों की तलाशी लेने पर उनकी पेन्ट के जेब में ब्राउन शुगर मिली। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 ग्राम ब्राउन शुगर कीमती लगभग 27,000/- रूपये जब्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना तेलीबांधा नगर में अपराध क्रमांक 352/2023 धारा 21ए नारकोटिक्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

मिर्गी की बीमारी से परेशान युवक ने की खुदकुशी, पेड़ पर लटकी मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मंगलवार की सुबह मृतक की मां ने सबसे पहले बेटे को फंदे से लटका देखा। घर के बाहर पेड़ पर उसकी लाश लटकी मिली। तत्काल उसने घर में बाकी सदस्यों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार मेटगुडा निवासी भगवान बघेल (27) ने अपने घर के बाहर पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सोमवार रात को परिवार के सदस्यों के साथ खाना खाने के बाद सोने चला गया। आधी रात करीब 1 बजे वह घर से बाहर निकला और पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह लगभग 4 बजे उसकी मां बाहर निकली तो उसने सबसे पहले अपने बेटे की लाश को पेड़ पर लटके देखा।

इसके बाद उसने परिवार के बाकी लोगों को जगाया। आनन फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। पूछताछ में पता चला कि मृतक पेंटिंग का काम करता था। उसे मिर्गी की बीमारी थी जिसके कारण वह अक्सर परेशान रहता था। आत्महत्या का कारण पुलिस फिलहाल बीमारी को ही मान रही है। मामले में बोधघाट पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिक्सर वाहन की चपेट में आए बाइक सवार, चार युवकों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे नंबर 130 सोमवार देर राज यह हादसा हुआ। मिक्सर वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार ठोकर मार दी। मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद मिक्सर वाहन चालक फरार हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की राज को नेशनल हाईवे नंबर 130 पर मिक्सर वाहन निकल रही थी। इस दौरान बाइक पर चार युवक जा रहे थे। बताया जा रहा है कि मिक्सर वाहन तेज रफ्तार में थी और बाइक सवार को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद बाइक के परखच्चे उड़ गए और बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार सभी युवक चैतमा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वहीं हादसे के बाद चालक फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग काफी आक्रोशित दिखे और कुछ देर के लिए सड़क को ब्लॉक कर दिया। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों शवों को पीएम के लिए भेजा। वहीं पुलिस ने समझाइश देकर लोगों को सड़क से हटाया। इधर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

अपनी ही रायफल से मिस फायर कर बैठा एसएसबी का जवान, कंधे पर जा धंसी गोली

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार को एसएसबी के जवान की रायफल से चली गोली उसी जवान के कंधे पर लग गई। गोली लगने से जवान घायल हो गया और उसे जिला स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्रारंभिक इलाज के बाद उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। एसएसबी का जवान नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रेलवे ट्रैक की सुरक्षा में तैनात था। यह हादसा अंतागढ़ थाना क्षेत्र में हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार तुमापाल थाना ताड़ोकी से एसएसबी 33वीं बटालियन के जवान सोमवार को नक्सल संवेदनशील क्षेत्र में रेलवे ट्रैक सुरक्षा के लिए निकले थे। रावघाट परियोजना के तहत सुरक्षा में यह सभी तैनात हैं। सोमवार सुबह लगभग 11 बजे खाना खाने के दौरान एसएसबी के जवान इंद्रजीत यादव नेअपनी इंसास रायफल से मिस फायर कर दिया। गलती से चली गोली इंद्रजीत के कंधे में घुस गई। जवान बुरी तरह चीखा और उसके बाद साथी जवान उसे अस्पताल लेकर गए। प्रारंभिक इलाज के बाद उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। जवान की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

नक्सलियों ने बैनर लगाकर सरपंच व उपसरपंच के हाथ-पैर काटने की दी धमकी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने बैनर लगाकर एक गांव के सरपंच व उपसरपंच का हाथ पैर काटने की धमकी दी है। बैनर लगाकर नक्सलियों ने कहा कि सरपंच और उप सरपंच माइंस और डेम निर्माण के लिए ये लोग सहयोग कर रहे हैं। इसलिए इन्हें जन अदालत खड़ा किया जाएगा। पुलिस ने यहां जगह जगह लगे बैनर पोस्टर बरामद कर जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने ग्राम गायतापरा में यह बैनर-पोस्टर लगाए हैं। बैनर-पोस्टर के माध्यम से नक्सलियों ने बेसमेटा

गांव के सरपंच और उपसरपंच को धमकी देते हुए लिखा है कि यह दोनों माइंस का समर्थन कर रहे हैं। माइंस के कारण यहां के जल-जंगल-जमीन को भारी नुकसान पहुंचेगा। यही नहीं नक्सली नदी पर बन रहे डेम का भी विरोध कर रहे हैं जिसके कारण सरपंच व उप सरपंच को धमकी दी गई है।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER TANDULA WATER RESOURCES DIVISION, DURG DISTT.- DURG (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

CORRIGENDUM No. 01

Following Amendment is made in SYSTEM TENDER NO. 134954/NOTICE INVITING TENDER NO. 16/SAC/2023-24. DATED:22.05.2023

Ammendment

In the last line of the clause 4.2 (b) of the Volume 1 of the above NIT following
amendment is hereby made-
"For this purpose 5 years shall be considered from 2017-18 to 2021-22,
"This will be read as "For this purpose 5 years shall be considered from 2018-19 to 2022-23."

All other terms and condition will be unchanged.

G.No. 01600

Executive Engineer
Tandula Water Resources Division, Durg (C.G.)
For, Chief Engineer, Mahanadi Godavari Basin
Raipur (C.G.)

जी-02272/5

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 137745 / निविदा सूचना क्र. 06/वलेलि / 2023-24, कवर्धा, दिनांक 08.06.2023

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.06.2023 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - कबीरधाम जिले के विकासखण्ड कवर्धा की सरोदा जलाशय की दुधिया माईनर का रिमाडलिंग एवं नहर विस्तारीकरण कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 107.03 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ. आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.06.2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला कबीरधाम (छ.ग.)
कृते - अधीक्षण अभियंता शिवनाथ
मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

जी-02255/8

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

(चतुर्थ आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 137750/निविदा सूचना क्र. 20/वलेलि/2023-24, दुर्ग दिनांक 08.06.2023

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 26.06.2023 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम :- दुर्ग जिले के विकासखण्ड दुर्ग की खपरी जलाशय की मुख्य नहर के आर.डी. 1140 मी. से 1500 मी., आर.डी. 2580 मी., आर.डी. 4350 मी. में व्ही.आर.बी. निर्माण एवं आर.डी. 4680 मी., आर.डी. 5610 मी., आर.डी. 6600 मी., आर.डी. 7100 मी. एवं आर.डी. 8950 मी. पर पक्के संरचनाओं का निर्माण कार्य.

अनुमानित लागत :- रु. 203.58 लाख

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 15.06.2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है.

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है.

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी-02252/7

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

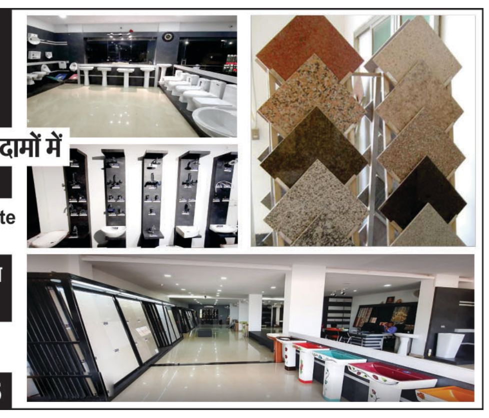

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

बालश्रम उन्मूलन सप्ताह 15 तक

दुर्ग। जिले में श्रम विभाग द्वारा 9 जून से 15 जून 2023 तक बालश्रम उन्मूलन सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें श्रम निरीक्षकों एवं श्रम उप निरीक्षकों की टीम द्वारा विभिन्न संस्थानों होटल-ढाबा, ईंटा भट्ठा, आटो गैरेज, कबाड़ी आदि स्थानों पर बाल श्रमिक (प्र. एवं वि.) अधिनियम 1986 के अंतर्गत निरीक्षण करने का कार्य किया जा रहा है। सहायक श्रमायुक्त से मिली जानकारी अंतर्गत नियमानुसार 14 से कम उम्र के बच्चों को किसी भी संस्थान में कार्य करने हेतु नियोजित नहीं किया जाना तथा 18 वर्ष से कम उम्र के किशोर को किसी भी खतरनाक प्रवृत्ति के कार्य में नियोजित नहीं किया जाना है। इस संबंध में 13 जून 2023 मंगलवार को सुबह 11 बजे बाल श्रम निषेध हेतु पटेल चौक दुर्ग से व्हाया गांधी चौक, राजेन्द्र पार्क चौक, ग्रीन चौक, अग्रसेन चौक, इंदिरा मार्केट से होते हुए पटेल चौक तक जागरूकता रैली आयोजित की जाएगी।

जिला अस्पताल दुर्ग में कैंसर मरीजों के लिए नि:शुल्क कीमोथैरिपी की सुविधा

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग के ओपीडी कक्ष क्रमांक 8 में कैंसर जांच एवं परीक्षण केंद्र की स्थापना की गई है। जहां पर कैंसर मरीजों की स्क्रीनिंग की जायेगी। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला अस्पताल में पांच बिस्तर डे-केयर कीमोथैरिपी यूनिट की भी स्थापना की गई है। जहां पर कैंसर मरीजों के कीमोथैरिपी की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध हो सकेगी। डे-केयर कीमोथैरिपी यूनिट के प्रारंभ हो जाने से जिले के कैंसर पीड़ित मरीज जिनको कीमोथैरिपी की आवश्यकता है उनका फॉलोअप कीमोथैरिपी जिला चिकित्सालय दुर्ग में उपलब्ध हो जाएगी।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनान्तर्गत सीसी रोड स्वीकृत

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2022-23 के अंतर्गत दुर्ग विकासखण्ड के ग्राम ननकट्ठी में सी.सी. रोड़ निर्माण (राजाराम पटेल के घर से शमशान घाट तक) 5 लाख 20 हजार रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। पार्ट -1 के लिए 2 लाख 60 हजार तथा पार्ट-2 के लिए 2 लाख 60 हजार रूपए लागत के अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यो का संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा की जाएगी।

रेत के अवैध भंडारण पर हुई जब्ती की कार्रवाई

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत के भंडारण पर जब्ती की कार्रवाई की गई। ज्ञात हो कि आज जनदर्शन कार्यक्रम में रेत के अवैध भंडारण संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर एसडीएम धमधा विपिन सोनी के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार बोरी द्वारा ग्राम सेवती तहसील बोरी में अवैध रूप से भंडारण की गई रेत को जब्त कर संरपंच के सुपुर्द किया है। उन्होंने खनिज निरीक्षक दुर्ग, ग्राम के सरपंच, कोटवार व ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए जब्त की गई रेत को सरपंच के सुपुर्द किया है।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनान्तर्गत सीसी रोड स्वीकृत

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2022-23 के अंतर्गत दुर्ग विकासखण्ड के ग्राम ननकट्ठी में सी.सी. रोड़ निर्माण (राजाराम पटेल के घर से शमशान घाट तक) 5 लाख 20 हजार रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

विदेश दौरे से लौटे टीएस सिंहदेव, स्वास्थ्य सुविधाओं पर बोले-

हमारी और उनकी व्यवस्थाएं अलग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव विदेश दौरे से लौट आए हैं। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से वापस प्रदेश आने पर उन्होंने कई तुलनात्मक अहम बातें बताई, जो छत्तीसगढ़ में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड दोनों देश गए थे। दौरे का दो हिस्सा था। वहां पर अलग-अलग संस्थाओं से, अलग-अलग एक्सपर्ट से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई।

उन्होंने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और छत्तीसगढ़ में तुलनात्मक रूप से बताया कि हमारे और उन देशों की अलग व्यवस्थाएं हैं। अलग पृष्ठभूमि हैं। ऑस्ट्रेलिया लगभग 10 हजार लाख वर्ग किलोमीटर का देश है। जिसमें छत्तीसगढ़ से भी कम आबादी है। छत्तीसगढ़ का क्षेत्रफल 1 लाख 35 हजार वर्ग किलोमीटर का है। ये भौगोलिक क्षेत्र में 80वां हिस्सा होगा। हमारे यहां ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा आबादी रहती है। वहां पर स्वास्थ्य प्रबंधन की जो व्यवस्था है उसी को हमारी टीम परखने गई थी स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यूनिवर्सल हेल्थ केयर को लेकर अक्सर चर्चा होती है कि यह कौन सी चिड़िया है। जबकि यूनिवर्सल हेल्थ केयर सिस्टम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लागू है। वहां पर ये योजना मेडिकेयर के नाम पर है, जो खर्च होते हैं वहां की सरकार सभी नागरिकों को उपलब्ध कराती है। वहां पर दो सिस्टम हैं। हमारे यहां गांव में मितानिन से स्वास्थ्य सेवाएं शुरू होती हैं। वहां पर इलाज कराने लोग जनरल प्रैक्टिशनर के पास जाते हैं। उनके बगैर प्रिसक्रिप्शन के लोग एमबीबीएस डॉक्टर के पास इलाज नहीं करा सकते। हमारे यहां आज भी कोई बीमार हो तो तुरंत एक्सपर्ट या एमबीबीएस डॉक्टर के पास पहुंच जाता है, जबकि वहां पर ऐसा नहीं है। वहां बिना अप्वाइंटमेंट के आप इलाज नहीं करा सकते। आपको टाइम ही नहीं दिया जाएगा। मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि यहां 3 करोड़ लोगों में स्वास्थ्य सुविधाएं बंट रही हैं। जबकि न्यूजीलैंड में 50 लाख लोगों में सुविधाएं बंट रही हैं। हम न्यूजीलैंड से भी तकनीकी और सेवा क्षेत्र में से कहीं ज्यादा बेहतर हैं। संसाधनों में वह हम से आगे हैं। उनके अस्पताल फाइव स्टार जैसे दिखते हैं, जो उन्होंने पहले से बनाकर रखी है। बनावट उन्होंने शुरू से ही ऐसी बना कर रखी है। तंबाकू के क्षेत्र में, डायबिटीज के क्षेत्र में हॉस्पिटल प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतर हैं। बीजेपी के 14 विधायकों के टिकट कटने के सवाल पर कहा कि बीजेपी में केवल 14 ही विधायक हीं हैं।

हमारी स्वास्थ्य सेवाएं ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से बेहतर

उन्होंने कहा कि जहां तक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बात है, तो हमारी व्यवस्था ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों से काफी सुदृढ़ है। उन्हें भी डॉक्टरों की कमी है और हमें भी डॉक्टरों की कमी है। उन्हें भी आबादी के हिसाब से डॉक्टर चाहिए और हमें भी। छत्तीसगढ़ में एक-एक गांव तक स्वास्थ्य विभाग का अमला पहुंचा हुआ है। कोई भी गांव अछूता नहीं है, लेकिन वो तकनीक के मामले में हमसे ज्यादा आगे हैं। उनका इंफ्रास्ट्रक्चर हमसे ज्यादा बेहतर है। अलग-अलग संबंध में वहां पर चर्चा हुई। अलग-अलग व्यवस्थाओं को हमने देखा समझा। इस दौरान न्यूजीलैंड में भी गए। वहां तंबाकू सेवन के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा काम किया गया है। न्यूजीलैंड का भौगोलिक क्षेत्रफल छत्तीसगढ़ से 2 गुना है। वहां पर करीब 50-55 लाख लोग रहते हैं, जबकि छत्तीसगढ़ की आबादी 3 करोड़ पहुंच रही है। हमसे 1/6 हिस्सा है न्यूजीलैंड का। यह अंतर आ जाता है न्यूजीलैंड और छत्तीसगढ़ में।

दक्षिण भारतीय वेशभूषा में दिखे विधायक देवेन्द्र, आंध्रप्रदेश के अक्कूपल्ली में आयोजित संभरालू में शामिल होने हुए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आंध्रप्रदेश के अक्कूपल्ली में पारंपरिक संभरालू कार्यक्रम में शामिल होने भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव सोमवार को रवाना हुए हैं। इस भव्य आयोजन में आंध्रप्रदेश के लोग देवी माता की पूजा अर्चना करते हैं। माता की पूजा अर्चना में इस साल भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव को विशेष आमंत्रण मिला है।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विधायक देवेन्द्र यादव ट्रेन से आंध्रा प्रदेश के अक्कूपल्ली के लिए रवाना हुए है। दक्षिण भारतीय ट्रेडिशनल वेशभूषा में विधायक देवेन्द्र यादव माता की पूजा अर्चना में शामिल होने जा रहे हैं। गौरतलब है कि विधायक देवेंद्र यादव लगतार भेंट मुलाकात कर रहे हैं। भेंट मुलाकात के दौरान जब वे वार्ड 45 बाला जी नगर पहुंचे थे, वहां के लोगों से बातचीत की। वार्ड में रहने वाले लोगों ने सम्मानपूर्वक विधायक देवेन्द्र यादव को आमंत्रण पत्र दिया था और बड़े ही प्रेम भाव से सभी ने उन्हें माता की पूजा में शामिल होने के लिए आंध्र प्रदेश चलने का आग्रह किया था। विधायक देवेन्द्र यादव ने लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए आंध्र प्रदेश के अक्कुपल्ली में आयोजित देवी मां के संभरालू कार्यक्रम में शामिल होने सोमवार को अहमदाबाद पुरी एक्सप्रेस से रवाना हो गए हैं। विधायक देवेन्द्र के साथ भिलाई निगम के स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू, पूर्व पार्षद जी राजू सहित बालाजी नगर खुर्सीपार के लोग भी रवाना हुए।

निगम भिलाई की अपील हर व्यक्ति बना ले अपना आयुष्मान कार्ड, ले स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा एवं निगम आयुक्त के निर्देश पर प्रति व्यक्ति आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य डोर टू डोर किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की महिलाएं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घरों में जाकर हर व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य कर रही है। जिनका राशन कार्ड एवं आधार कार्ड बना हुआ है उनका आयुष्मान कार्ड तत्काल स्पॉट पर ही बनाने का प्रोसेस किया जा रहा है।

जिनके पास राशन कार्ड एवं आधार कार्ड नहीं है वह भिलाई नगर निगम के गुरुद्वारा द्वारा स्थित नेहरू नगर के जोन कार्यालय, वैशाली नगर पानी टंकी स्थित जोन कार्यालय, मदर टेरेसा नगर चंद्रा मौर्या स्थित जोन कार्यालय, खुर्सीपार डबरा पारा स्थित जोन कार्यालय तथा सेक्टर 6 आत्मानंद स्कूल परिसर में स्थित जोन कार्यालय में संपर्क करके आधार कार्ड व राशन कार्ड बनवा सकते हैं।

आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए निगम के मुख्य कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। यहां यह बताना आवश्यक होगा कि 10 वर्ष पूर्व जिन्होंने आधार कार्ड बनवाया हैं उन्हें अपना आधार कार्ड अपडेशन करवाना अत्यंत अनिवार्य है। निगम प्रशासन की अपील है कि एपीएल एवं बीपीएल राशन कार्ड धारी जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है वह शीघ्र ही अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें। डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत एपीएल कार्ड धारी को प्रति व्यक्ति 50,000 तथा बीपीएल राशन कार्ड धारी परिवारों को प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 500000 की स्वास्थ्य सहायता का प्रावधान निहित है।

जिसका लाभ आयुष्मान कार्ड धारी को ही मिलेगा। भिलाई निगम के द्वारा अधिकतर लोगो का आयुष्मान कार्ड डोर टू डोर के माध्यम से बनाया जा चुका है तथा छूटे हुए लोगों से संपर्क करके उनका आयुष्मान कार्ड बनाने का काम किया जा रहा रहा है। उल्लेखनीय है कि परिवार का हर सदस्य आयुष्मान कार्ड बनवा सकता है और स्वास्थ्य योजना का लाभ उठा सकता है। इसी उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई के द्वारा डोर टू डोर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का काम हर व्यक्ति का किया जा रहा है। निगम की अपील है कि डोर टू डोर जा रही महिलाओं को सहयोग प्रदान करते हुए अपना आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनवा ले।

शिखा साहू बेस्ट ऐक्ट्रेस ऑफ छत्तीसगढ़ अवार्ड से हुई सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दादा साहेब फालके इंडियन टेलिविज़न अवार्ड 2023 का आयोजन मुंबई के एक होटल में आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ की शिखा साहू को बेस्ट ऐक्ट्रेस ऑफछत्तीसगढ़ अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवार्ड शो में अलग अलग शहरों से आए 20 लोगों को उसके उपलब्धियां और उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजक अखिलेश सिंह जी थे। और इस अवार्ड शो में मुख्य अतिथि और अतिथि के रूप में बॉलीवुड से ऐक्टर और ऐक्टैस आये हुए थे।

शिखा साहू ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं छत्तीसगढ़ में पैदा हुई और छत्तीसगढ़ का नाम मै पुरे शहरों ऊँचे स्थान पर अर्जित करना चाहती हूँ । इस सम्मान के लिए अपने एस एस फाउंडेशन के सभी सदस्यों और छत्तीसगढ़ वासियों का हृदय दिल से आभार व्यक्त करती हूँ।

दादा साहेब फाल्के इंडियन टेलीविजन अवार्ड 2023

भिलाई की झिलमिल बैनर्जी बेस्ट मॉडल ऑफ द ईयर अवार्ड से हुई सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुंबई के सेन्ट्रीक जुहु होटल में आयोजित ' दादा साहेब फाल्के इंडियन टेलीविजन अवार्ड 2023 ' में दुर्ग भिलाई झिलमिल बैनर्जी को मिला बेस्ट मॉडल ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवार्ड समारो में अलग अलग शहरों से आए 20 लोगों को उसके उपलब्धियां और उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के आयोजक अखिलेश सिंह थे। और इस अवार्ड शो में मुख्य अतिथि और अतिथि के रूप में बॉलीवुड से ऐक्टर और ऐक्ट्रेस आये हुए थे। झिलमिल बैनर्जी ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं छत्तीसगढ़ का नाम मै पुरे शहरों से ऊँचे स्थान पर अर्जित करना चाहती हूँ। इस सम्मान के लिए अपने माता पिता व परिवाजनों और छत्तीसगढ़ वासियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर हुई कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचें लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने को कहा है। इस दौरान उन्होंने आम लोगों से प्राप्त आवेदनों पत्रों का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आज जनदर्शन में 175 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अवैध कब्जा, बटवारा, आर्थिक सहायता, सीमांकन, स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश हेतु, राशन कार्ड से संबंधित आवेदन शामिल है।

जनदर्शन में आज गिरधारी नगर निवासी वृद्ध महिला श्रीमती सोहाद्रा बाई महोबिया ने वृद्धाश्रम में निवास करने हेतु कलेक्टर से गुहार लगाते हुए आवेदन सौपा। उन्होंने बताया कि वह स्वामी विवेकानंद वार्ड में अपने बेटे के साथ निवासरत है। गत दिवस बेटे की मृत्यु होने जाने के पश्चात वह अकेली असहाय है। उनका पालन पोषण करने वाला परिवार में कोई नही है और न ही उनका कोई आय का स्त्रोत है। इस पर कलेक्टर ने उप संचालक समाज कल्याण विभाग को त्वरित कार्यवाही कर वृद्धाश्रम में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। ग्राम खम्हरिया निवासी वृद्ध विकलांग ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाने कलेक्टर से मांग की। उन्होंने बताया कि वृद्ध होने के साथ-साथ पैर से विकलांग होने के कारण कार्य करने में असमर्थ है। वृद्धावस्था पेंशन उन्हें पहले केनरा बैंक से प्राप्त होता था किन्तु विगत तीन माह से अप्राप्त है। उनकों नगर निगम भिलाई में संपर्क करने को कहा गया। किंतु वहां से भी उनको कोई जानकारी प्राप्त नही हुई। इस पर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उप संचालक समाज कल्याण विभाग को वृद्धा पेंशन योजना के तहत पेंशन दिलाने के निर्देश दिए। महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग के खिलाड़ियों ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 10 वर्षो से खेल मैदान में अभ्यास करते आ रहे हैं। खेल मैदान में लगी कुश्ती मेट एवं दीवाल को तोड़कर व्यापारियों द्वारा जबरदस्ती अतिक्रमण कर दुकान बनाया जा रहा है, जिससे खेल का मैदान छोटा हो गया है। खिलाड़ियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

आपसी प्रेम भाईचारा का संदेश यह हमारे शहर की शालीन परंपरा है : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हजरत बाबा सै. अदुरहमान शाह काबुली रह. अलैह पुराना बस स्टैण्ड दुर्ग के 71 वां उर्स मुबारक के अवसर पर शहर के विभिन्न स्थलों से निकाली गई संदल-चादर-झांकियो के पदाधिकारियों तथा विभिन्न संस्थाओं व विमुतियों-सहयोगियों को स्मृति स्वरुप सम्मान पुरुस्कार वितरण समारोह आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अरुण वोरा, विधायक अध्यक्ष स्टेट वेयर हाउस कापोरेशन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा काबुली का उर्स पार्क कौमी एकता की मिशाल है।

उर्स पाक को एकता उत्सवज्ज के रुप में मानने की परंपरा कोज्ज न केवल छत्तीगसढ़ बल्कि अन्य प्रांतो के श्रद्धालुओं का व्यापक समर्थन देखने को मिलता है। लोगों का हुजुम संदल-चादर-झांकियों मे रहता है, जो आपसी प्रेम भाईचारा का संदेश है, यह हमारे शहर की एवं शालीन परंपरा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश देशलहरा अध्यक्ष सालाना उर्स-पाक कमेटी ने किया, विशिष्ट अतिथि राजु भाटिया समाज सेवी थे। सालाना उर्सपाक कमेटी निर्णायक मंडल के प्रभारी हाजी इसराइल बेग शाद, हाजी हनीफ भिण्डसरा, अमजद अली ने स्मृति स्वरूप पुरूस्कार की घोषणा की। सर्वप्रथम झांकी के लिए स्व. फुलचंद देशलहरा की स्मृति मे यंग स्टार कमेटी सत्ती चौरा गंजपारा दुर्ग को प्रथम, स्व. जोगेन्दर सिंह चावला की स्मृति में शनिचरी बाजार संदल कमेटी को द्वितीय, स्व. विश्वनाथ शर्मा की स्मृति में बेरपारा युवा संदल ग्रूप को तृतीय, चादर संदल मे स्व. श्रीमति सुरे कुंवर देशलहरा की स्मृति में केलाबाड़ी यंग मुस्लिम को प्रथम, मरहुम मिर्जा इस्माइल बेग की स्मृति में माताज यंग ग्रुप अशरफ नगर हरनांबांधा को द्वितीय मरहूम बन्दुभाई रुबी कुरैशी की स्मृति में लश्करे मोहम्मदी संदल यंग कमेटी जामुल, हाजी मोहम्मद रजा की स्मृति में ख्वाजा के दीवाने कमेटी मिलपारा, मरहूम लाल खा लिटिया की स्मृति में चिरितया ग्रुप तकियापारा, स्व मूलचंद नेमा की स्मृति में शनिचरी बाजार संदल कमेटी, मरहुम बाबा शेख निजाम शायर की स्मृति में यंग स्टार संदल कमेटी सत्तीचौरा, मरहुम आबिद भाई फ्रूट मर्चेंट की स्मृति में बेरपारा युवा संदल ग्रुप। विशेष प्रोत्साहन जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग, साई कृपा जीमल भाई पोलसायपारा को मुख्य अतिथि अरुण वोरा ने पुरुस्कार व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन, नगर निगम, इलेक्ट्रानिक मीडीया, छ.ग. विघुत मंडल व अन्य समाजसेवियों संस्थाओं को उनके असीम सहयोग के लिए सम्मान दिया गया। इस मौके पर च्शुकानेज्ज की चादर पेश कर सभी के लिए दुआ की व दस्तारबंदी की गई। आभार व संचालन रऊफ कुरैशी महासचिव सालाना उर्स पाक कमेटी ने किया। कार्यक्रम में पीयूष देशलहरा, युनूस पटेल, अजहर जमील, अहमद खान मुन्ना, रज्जब अली, अजय शर्मा, अबरार पुवार, अकबर खान, हुसैन खोखर, पाशी अली, हैदर अली, शेख अब्बास शेख असलम, अतिक शेख, मो.असलम, मोहसिन हाशमी, घनशेर खान, असलम नत्थानी, अफसर कुरैशी, इकराम कुरैशी, मारुफआलम, शेख युनूस, शहबाज खान, साबीर पुवार, शबाना निशा रानी, छाया चौधरी, रेहाना बेगम, डोमा ठाकुर, शब्बीर खान, अय्युब पुंवार, इत्यादी उपस्थित थें।

डेंगू से लड़ने घर-घर अभियान, निगम की टीम कर रही लार्वा की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के द्वारा डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए घर-घर जाकर लार्वा की जांच की जा रही है। जलजमाव वाले पात्रों का निरीक्षण किया जा रहा है और कूलर की जांच की जा रही है। लोगों को डेंगू एवं मलेरिया से बचने के लिए मच्छरदानी लगाकर सोने की सलाह दी जा रही है। पानी को एक जगह अधिक समय तक एकत्रित नहीं रखने कहा जा रहा है।

डेंगू एवं मलेरिया के नियंत्रण के लिए तथा मच्छर उन्मूलन के तहत भिलाई निगम के द्वारा निगम आयुक्त के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया है। यह टीम अलग-अलग वार्ड क्षेत्रों में

निरीक्षण करते हुए मच्छरों के खिलाफ लड़ने विशेष गतिविधियां अपना रही है। आज टीम के द्वारा वैशाली नगर जोन के अंतर्गत घासीदास नगर में बांबे आवास एवं अटल आवास में मच्छर उन्मूलन का अभियान चलाया गया। इस दौरान एडल्ट मच्छर की रोकथाम के लिए मेलाथियान का स्प्रे किया गया। लार्वा को नष्ट करने के लिए टेमीफास् का उपयोग किया गया तथा वितरण भी किया गया। जन जागरूकता के तहत लोगों को डेंगू, मलेरिया एवं पीलिया से बचाव के लिए पंपलेट का वितरण करते हुए प्रचार-प्रसार किया गया। टीम के द्वारा घासीदास नगर के वार्ड में लगभग 185 घरों का सर्वे करते हुए 82 कूलर की जांच की गई। भीषण गर्मी को देखते हुए लू से बचाव के लिए भी लोगों को इस दौरान जागरूक किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950